हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार, 14 दिसंबर, 2025

12 लोक अदालत में 18214 केसों का किया निपटारा

12 भिवानी की बेटी दीक्षा ने गुजरात में लहराया परचम

CHINAR FABRICS
Chinar Mill Showroom
चिनार मील शोरुम
नजदीक बासिया भवन, हांसी रोड, भिवानी M.: 70567-95900
महाबचत छूट
1 जैकेट 1599/- 799/- only
1 ब्लेजर 3599/- 1499/-only
3 पीस सूट 5999/- 2999/-only

खबर संक्षेप

अवैध शराब का सप्लायर कांगड़ा से गिरफ्तार

चरखी दादरी। ऑपरेशन हॉटस्पाट डोमिनेशन अभियान के तहत सीईआईए स्टाफ दादरी ने गाड़ियों में अवैध शराब भरकर राजस्थान व गुजरात में सप्लाई करने व नाकाबंदी के दौरान पुलिस पर गाड़ी चढ़ाकर जानलेवा हमला करने के मामले में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान कांगड़ा निवासी सचिन के रूप में हुई है। करीब एक सप्ताह पहले पुलिस इस मामले में जींद के बड़ौदा निवासी आशु व दादरी के बौन्द कलां निवासी हरीश उर्फ टींकू को गिरफ्तार किया था।

कॉलेज की कहकर घर से निकली युवती लापता

लोहारू। राजकीय महाविद्यालय में पढ़ने वाली एक गांव की करीब 19 वर्षीय युवती के लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। युवती के पिता की शिकायत पर लोहारू पुलिस ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में युवती के पिता ने बताया कि उसकी 19 वर्षीय बेटी लोहारू के राजकीय महाविद्यालय में पढ़ती है तथा कॉलेज का नाम लेकर घर से निकली थी। लेकिन उसकी बेटी कॉलेज के बाद सायं तक वापस घर नहीं लौटी। युवती की तलाश की गई, लेकिन वह नहीं मिली।

काली नवदुर्गा मंदिर में मेडिकल कैंप आज

भिवानी। शूरसैनी जयंती के उपलक्ष्य में कोंट रोड मिनी बायपास स्थित दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर परिसर में आज रविवार सुबह 11 बजे निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था के तत्वावधान में होगा। इस अवसर पर डॉ. नरेश सैनी अपनी टीम के साथ सेवाएं प्रदान करेंगे। मेडिकल कैंप में आमजन की स्वास्थ्य जांच, परामर्श तथा आवश्यक मार्गदर्शन निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

सहायक उपकरण पंजीकरण शिविर आज

बहल। दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भिवानी जिला उपायुक्त एवं रेडक्रॉस अध्यक्ष साहिल गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में शनिवार को बहल के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में विशेष जांच शिविर का आयोजन किया गया। अब 14 दिसंबर को रेडक्रॉस भवन भिवानी में अंतिम जांच शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें जांच व पंजीकरण करवा सकते हैं।

खुले दरबार में सुनीं वार्ड 4 व 5 की समस्याएं, तीन माह का दिया आश्वासन

शहर के पार्कों के हालात पौने दो करोड़ से सुधरेंगे, काम शुरू

खुले दरबार में 19 गलियों के निर्माण की मांग वार्डवासियों ने की, चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने दिया भरोसा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

नगर परिषद की ओर से शनिवार को वार्ड संख्या चार व पांच के लोगों की समस्याएं सुनी गईं और मौके पर मौजूद नप के अधिकारियों को तत्काल पूरा करवाए जाने के निर्देश दिए। इस दौरान नप द्वारा पहले से कराए जा रहे विकास कार्यों के लिए नप चेयरपर्सन भवानी प्रताप सिंह का आभार जताया और अब खुले दरबार में करीब 19 गलियों के निर्माण की मांग की। जिस पर नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने तीन माह के भीतर उक्त सभी गलियों को पक्का करवाए जाने का भरोसा दिलाया। इनके अलावा अन्य मांगों को भी जल्द पूरा करवाए जाने का आश्वासन दिलाया।

प्राथमिकता के आधार पर निपटाएं लोगों की समस्या : सर्राफ

खुले दरबार में वार्डवासियों ने अपनी समस्याएं विस्तार से रखीं। इनमें पीने के पानी की कमी, सीवर व्यवस्था, गलियों की मरम्मत, स्ट्रीट लाइट तथा पार्कों के नवीनीकरण की प्रमुख मांगें शामिल रहीं। नगर परिषद की ओर से समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया।

इस दौरान विधायक सर्राफ ने कहा कि लोगों की समस्याओं के निराकरण में किसी तरह की कोई कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। इस मौके पर पार्षद सुभाष तंवर, संदीप यादव, सुक्रम व सुमेर के अलावा अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

भिवानी। नारियल फोड़कर करोड़ों रुपये के कार्यों का श्रीगणेश करते विधायक।

सार्वजनिक कार्यों के लिए सरकार के पास धन की कमी नहीं : सर्राफ

विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि सरकार के पास सार्वजनिक कार्यों के लिए धन की कमी नहीं है। बशर्ते जनता सार्वजनिक कार्य लेकर आएं। उन कार्यों का तत्काल प्रस्ताव तैयार करके सरकार के पास भेजा जाएगा और पास होने के बाद काम शुरू करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सीएम नायब सिंह सैनी का भिवानी के साथ विशेष लगाव है। वे भिवानी के चहुमुंखी विकास के लिए दिल खोलकर बजट जारी करवा रहे है।

गुजरा वाला पार्क में होंगे विकास कार्य

विधायक घनश्याम सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने नारियल फोड़कर निर्माण कार्य शुरू करवाया। इसमें शहर के अनेक पार्कों में छतरी बनाए जाने तथा उत्तमनगर के कई कार्य शामिल हैं। इनके अलावा नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने विद्यानगर में गुजरा वाला पार्क के निर्माण कार्य का भी नारियल फोड़कर शुरू करवाया। इस दौरान वहां पर मौजूद सभी लोगों का मुंह मीठा करवाया गया।

मौके पर निपटाईं समस्याएं

नगरपरिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि सबसे पहले वार्ड संख्या 4 व पांच के लोगों की समस्याएं सुनी और उनमें से अधिकांश का मौके पर ही निराकरण करवा दिया गया। जो कुछ गलियों के निर्माण की मांग की गई थी। दोनों वार्डों में करीब तीन माह के भीतर गलियों का निर्माण करवा दिया जाएगा।

इनके अलावा आज एक माह पहले लगाए गए खुले दरबार में लोगों की शिकायतें व कई नए कार्यों की मांग की गई थी, जिनके तहत करीब पौने दो करोड़ रुपये की राशि के विकास कार्यों का नारियल फोड़कर शुभारंभ करवाया गया है। जल्द ही ये कार्य पूरे हो जाएंगे और शहर की सुंदरता व स्वच्छता को पंख लग जाएंगे।

भिवानी। शपथ लेते नवनिर्वाचित पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

सुमेर सिंह व धर्मबीर निर्विरोध चुने एसकेएस के प्रधान व सचिव

- सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला भिवानी का 70वां प्रतिनिधि सम्मेलन संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी फेडरेशन से संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला भिवानी का 70वां प्रतिनिधि सम्मेलन स्थानीय बड़ चौक स्थित मैकेनिकल-41 के कार्यालय पर शनिवार को राज्य प्रधान धर्मबीर फौगाट के निगरानी में संपन्न हुआ। इसमें प्रधान पद पर सुमेर सिंह आर्य, सचिव धर्मबीर भाटी, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र दिनोद, वरिष्ठ उपप्रधान सूरजभान जटासरा, उपप्रधान जोगेंद्र पिलानिया, उपप्रधान कुमारी अनिता, ऑडिटर रमेश कांगड़ा, प्रैस सचिव जितेंद्र कौशिक आईटीआई को सर्वसम्मति से चुना गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए राज्य प्रधान धर्मबीर फौगाट ने बताया कि सत्ता पर काबिज हुई भाजपा सरकार ने अपने घोषणा पत्र में हरियाणा के कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में गेस्ट टीचरों, सफाई कर्मचारियों सहित सभी प्रकार के कच्चे कर्मचारियों की सेवा, सुरक्षा देने व समान काम-समान वेतन देने, वेतन विसंगियां दूर करने, शोषण व भ्रष्टाचार बढ़ाने वाली ठेका प्रथा की नीतियों की समीक्षा कर उन्हे रद्द करने का वायदा किया था। इन वायदों का लाभ भाजपा को तो मिला, लेकिन प्रदेश के कर्मचारियों को सिर्फ सरकार की वायदा खिलाफी ही झेलनी पड़ी।

ठेका प्रथा का विरोध

इस मौके पर नवनिर्वाचित कमेटी ने संयुक्त ब्यान में कहा कि ठेका प्रथा, निजीकरण, फ्रेंचाईजी जैसे कार्यक्रम सरकारी विभागों को तोडकर किया जा रहा है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली प्रदेश सरकार ने बेटियों की शिक्षा पर हमला बोलते हुए 183 राजकीय कन्या माध्यमिक व हाई स्कूलों को मर्जर के नाम पर बंद कर दिया। इसी प्रकार से बिजली जैसे महत्वपूर्ण विभाग को निजी हाथों में सौंपने का कार्य किया जा रहा है। जो चार लेबर कोड आए है, उनमें स्मार्ट मीटर लगाना प्रमुखता से सरकार ने लिया है। जो कि किसी भी सूरत में जनता के हक में नहीं होंगे। अगर सरकार इस प्रकार का कार्य करती है तो इसका खामियाजा भी सरकार को भुगतना होगा। इस अवसर पर भिवानी खंड, तोशाम खंड, बवानीखेड़ा खंड, लोहारू खंड, बहल खंड, जुई खंड व सिवानी खंड ने बढ़-चढकर भाग लिया।

रिंकू हत्याकांड में 6 आरोपी काबू

- शादीशुदा महिला के साथ लिव-इन में रहने की वजह से हुई थी युवक की हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

पुलिस ने गांव धनाना निवासी रिंकू की हत्या के मामले को भिवानी पुलिस ने सुलझा दिया है। इस मामले में पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनमें चार लोग हत्या में शामिल थे तथा दो लोग हत्या मामले में मुखबरी में शामिल थे। इस बारे में भिवानी के पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार पत्रकार वार्ता कर मामले में शामिल 6 लोगों के गिरफ्तार होने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मृतक रिंकू जो कि धनाना गांव का निवासी था, जिसके एक शादीशुदा महिला से संबंद्ध थे। जिनमें शादीशुदा महिला के भाई तथा ससुराल पक्ष के लोगों को ऐतराज था। इसी के चलते यह हत्या हुई है। शादीशुदा महिला के साथ लिव-इन में रहने के चलते महिला के ससुराल पक्ष व मायका पक्ष के लोग नाराज थे। बीते 6 दिसंबर को रिंकू जब घर में खाना खा रहा था तो उसे कही जाने के बहाने मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले जाया गया। जिसके बाद 7 दिसंबर को धनाना मोड़ पर यह परिजनों को गंभीर अवस्था में मिला था।

भिवानी। पुलिस हिरासत में रिंकू के हत्यारोपी। फोटो : हरिभूमि

इनकी हुई गिरफ्तारी

भिवानी के पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार ने बताया कि इस हत्या में कुल 6 आरोपी है, जिनमें से राहुल, हर्ष, संदीप व विक्रम ये चारों शादीशुदा महिला के ससुराल व मायका पक्ष के लोग हैं तथा दो अन्य पकड़े गए लोगों में विक्की व पंकज क्रमशः धनाना व तालु के निवासी हैं, जो इस घटना की मुखबरी में शामिल थे। इस मामले में मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

संतुनाथ ने शुरू की जलधारा तपस्या

भिवानी। छोटी काशी भिवानी में कड़ाके की ठंड और गिरते तापमान के बीच भक्ति और संकल्प का एक अद्भुत उदाहरण सामने आया है। स्थानीय लाइन पार क्षेत्र स्थित प्राचीन नवग्रह त्रिवेणीधाम मंदिर में महंत ओमनाथ महाराज के शिष्य संतुनाथ महाराज ने 41 दिवसीय कठोर जल धारा तपस्या का शुभारंभ किया है।

यह पहली बार नहीं है जब संतुनाथ महाराज ने शरीर को चुनौती देने वाली यह साधना शुरू की है। मंदिर प्रबंधन के अनुसार यह उनका लगातार दूसरा वर्ष है जब वे इस प्रकार की तपस्या कर रहे हैं। इस 41 दिवसीय अनुष्ठान के दौरान महाराज निरंतर गिरती हुई जलधारा के नीचे बैठकर ध्यान मग्न रहेंगे। संतुनाथ महाराज ने कहा कि उनकी यह साधना व्यक्तिगत सिद्धि के लिए नहीं, बल्कि समष्टि के कल्याण के लिए है। उन्होंने बताया कि यह तपस्या क्षेत्र में अमन-शांति, आपसी भाईचारे और सामाजिक सद्भाव को बनाए रखने के लिए है।

वर्ल्ड बॉक्सिंग फेडरेशन के पूर्व प्रधान बोरिस ने खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

- पत्नी व बेटियों के साथ पहुंचे भिवानी, कैप्टन हवासिंह अकादमी में जोरदार स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया यानी बीएफआई के निर्देशन में निदरलैंड से वर्ल्ड बॉक्सिंग फेडरेशन के पूर्व प्रधान बोरिस वेन ने अपनी पत्नी इंगेबोरग वेंडर वरोटस और पुत्री विटोरिया व वर्षित के साथ कैप्टन हवासिंह बॉक्सिंग अकादमी का दौरा कर खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनका हाल-चाल जाना। उनके साथ हरियाणा बॉक्सिंग संघ महासचिव ओमबीर हुड्डा व एमपीएम साई सीनियर कोच अनिल मलिक भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथिगणों का अकादमी में पहुंचने पर भीम अवॉर्डी कोच संजय श्योराण, अकादमी महासचिव प्रीतम दलाल व अन्य उपस्थितजनों ने फूलमालाओं के साथ स्वागत किया। प्रीतम दलाल ने बताया कि कैप्टन हवासिंह बॉक्सिंग अकादमी ने एक वर्ष में अनेक खिलाड़ियों को वर्ल्ड चैंपियन बनाया है और स्व. कैप्टन हवासिंह की तीसरी पीढ़ी नुपूर श्योराण भी अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज हैं और वर्ल्ड चैंपियन बनी हैं।

भिवानी। हवासिंह अकादमी पहुंचे बोरिस वेन खिलाड़ियों के साथ। फोटो : हरिभूमि

कोच की सराहना की

बोरिस ने कोच संजय श्योराण को वर्ल्ड का बेस्ट कोच बताया तथा खिलाड़ी नुपूर श्योराण व उनकी माता मुकेश श्योराण, अकादमी के सभी पदाधिकारियों व खिलाड़ियों की प्रशंसा की। इस अवसर पर जयभगवान गडवाल, कैप्टन बन्नी सिंह व कृष्ण मित्थाल समेत अनेक खेल प्रेमी व खिलाड़ी उपस्थित रहे।

डीसी साहिल गुप्ता ने कृषि विभाग के अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ा तो नपेंगे खाद वितरण अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

उपायुक्त साहिल गुप्ता ने कृषि विभाग को कड़े निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के अनुसार कोई भी फर्टिलाइजर निरीक्षक अथवा अधिकारी डीसी की पूर्व अनुमति के बिना अपना मुख्यालय नहीं छोड़ेगा। डीसी के आदेशों के चलते कृषि विभाग के उप निदेशक डॉ विनोद फोगाट ने जिले के सभी फर्टिलाइजर निरीक्षकों को अपने-अपने ब्लॉक एवं उपमंडल क्षेत्रों में पूर्ण सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। यदि उर्वरकों से संबंधित किसी भी प्रकार की अनियमितता, कालाबाजारी, टैगिंग, अवैध भंडारण अथवा लापरवाही पाई जाती है तो दोषियों के विरुद्ध तत्काल पुलिस कार्रवाई अथवा नियमानुसार अन्य कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस संबंध में जिला स्तर के सभी अधिकारियों को भी स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। किसानों को यह भी सूचित किया जाता है कि यूरिया का निर्धारित मूल्य 266.50 रुपए प्रति बैग है। यदि कोई थोक या खुदरा विक्रेता यूरिया के साथ किसी अन्य सामान या उत्पाद को जबरन लेने के लिए बाध्य करता है, तो इसकी सूचना तत्काल अखबारों एवं मीडिया में जारी हेल्पलाइन नंबरों पर दें। उप कृषि निदेशक डॉ. फोगाट ने बताया कि यूरिया स्टॉक की निगरानी हेतु खंड स्तर पर निम्नलिखित नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

भिवानी। खाद विक्रेताओं की दुकान का निरीक्षण करते हुए अधिकारी।

आसपास यूरिया का भंडार दिखाई दे तो तत्काल दें सूचना

यदि किसी भी व्यक्ति को अपने गांव या आस-पास यूरिया का अवैध भंडारण दिखाई दे, तो तुरंत पुलिस अथवा कृषि विभाग को सूचित करें। सभी डीलरों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे भिवानी जिले के बाहर किसी भी किसान, व्यक्ति, डीलर अथवा वितरक को किसी भी प्रकार का उर्वरक सप्लाई न करें। विभाग ने कहा है कि किसान यूरिया अथवा डीएपी की खरीद से संबंधित किसी भी समस्या के लिए अपने-अपने खंड के नोडल अधिकारी से सीधे संपर्क कर सकते हैं।

खाद की कोई कमी नहीं

उन्होंने बताया कि जिले के सभी खाद विक्रय केंद्रों पर उपमंडल कृषि अधिकारियों (एसडीएओ) की ड्यूटी लगाकर निरंतर निगरानी की जा रही है तथा प्रत्येक एक से दो घंटे में रिपोर्ट प्राप्त की जा रही है। वर्तमान में विभिन्न स्थानों से खाद की आपूर्ति हो रही है, जिसकी संपूर्ण जानकारी पहले ही साझा की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि फिलहाल की स्थिति में भिवानी जिले में 3,639 मीट्रिक टन (एमटी) यूरिया उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त हिसार से आने वाली यूरिया रैक का एक भाग भिवानी जिले के लिए भी निर्धारित किया गया है। भिवानी रेक प्वाइंट पर भी खाद प्राप्त हो रही है, जिसे शीघ्र ही फील्ड में वितरित किया जाएगा।

मुनादि करवाकर दें खाद की सूचना

उन्होंने बताया कि सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि प्रत्येक दुकान पर स्टॉक बोर्ड पर उपलब्ध खाद की मात्रा स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जाए। साथ ही गांवों में मुनादी के माध्यम से खाद वितरण की जानकारी किसानों तक पहुंचाई जाए। यदि कोई विक्रेता किसानों को खाद देने से इंकार करता है अथवा यूरिया की कालाबाजारी या टैगिंग करता है, तो इसके लिए संबंधित एसडीएओ, ब्लॉक नोडल अधिकारी एवं ब्लॉक कृषि अधिकारी उत्तरदायी होंगे।

महाराजा शूरसैनी जयंती समारोह के लिए मुख्यमंत्री को दिया निमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। कार्यक्रम का निमंत्रण देते हुए।

सैनी कल्याण परिषद द्वारा 21 दिसंबर को भिवानी में आयोजित होने वाले महाराजा शूरसैनी जयंती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को लेकर सीएम को निमंत्रण दिया गया है। प्रतिनिधिमंडल ने भिवानी से विधायक घनश्याम सर्राफ के नेतृत्व में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की। इस दौरान प्रधान भूप सिंह सैनी ने मुख्यमंत्री के समक्ष युवाओं के भविष्य को संवारने के लिए एक कोचिंग सेंटर खोलने का प्रस्ताव रखा। इस पर सीएम ने उन्हें पूरी मदद करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर सैनी कल्याण परिषद के प्रधान भूप सिंह सैनी, वरिष्ठ उपप्रधान आजाद सैनी, सरपंच जगदीश चंद्र सैनी, उपप्रधान ओमप्रकाश सैनी, मास्टर मनोज सैनी, मनीष सैनी, राजकुमार सैनी डीजे वाला, सुभाष सैनी वाईस चेयरमैन लोहारू, रमेश सैनी, शिवजी राम सैनी, रमेश सैनी ढ़ाणा रोड़, सुरेश इंजीनियर, राजकुमार सैनी भी साथ रहे।

एक जनवरी से पहले निपटा लें ये चार जरूरी काम

- टैक्स और कानूनी झंझट से बचने के लिए भर दे आईटीआर
- करदाताओं के लिए अपने पैन को आधार से लिंक करना जरूरी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी कानूनी झंझटों से मुक्ति चाहते हैं तो एक जनवरी से पहले कुछ जरूरी काम निपटा लें, वरना बाद में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बता रहे हैं वे जरूरी काम जिन्हें इसी महीने में निपटाना बेहद जरूरी है। दिसंबर 2025 में करदाताओं के लिए चार जरूरी वित्तीय डेडलाइन, जिन्हें समय पर पूरा करना बचाएगा जुर्माने और कानूनी परेशानियों से। वित्त वर्ष 2025 अपने आखिरी चरण में है और करदाताओं के लिए दिसंबर कई अहम डेडलाइन लेकर आया है। अगर ये काम समय पर पूरे नहीं किए गए, तो आपको आर्थिक नुकसान और दस्तावेजों की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

बिलेटेड आईटीआर फाइलिंग का अंतिम मौका

अगर आप वित्त वर्ष 2024-25 का आईटीआर समय पर नहीं जमा कर पाए हैं, तो 31 दिसंबर 2025 तक विलंब शुल्क के साथ इसे फाइल किया जा सकता है। 5 लाख रुपये तक की आय पर 1,000 रुपये और 5 लाख रुपये या उससे अधिक आय पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगेगा। 31 दिसंबर के बाद यह अवसर खत्म हो जाएगा। इसलिए इस पर ध्यान दें और अपनी आईटीआर जमा करवा दें।

पैन -आधार लिंकिंग

सभी करदाताओं के लिए अपने पैन को भी आधार से लिंक करना बेहद अनिवार्य है। इसके लिए अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2025 ही है। अगर इस दौरान आप लिंकिंग नहीं करवा पाए तो आपके लिए परेशानी खड़ी हो सकती है। इससे आपका पैन कार्ड निष्क्रिय हो जाएगा और बैंक खाता या निवेश से जुड़े सभी काम प्रभावित हो सकते हैं। इसे इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल पर जल्द पूरा करें। वरना आपको पछतान पड़ेगा और काम प्रभावित होंगे। इसलिए समय रहते अपने पैन को आधार के लिंक जरूर करवा लें।

एडवांस टैक्स की अंतिम किस्त

जिन करदाताओं की अनुमानित कर देनदारी 10,000 रुपये से अधिक है, उन्हें 15 दिसंबर 2025 तक चौथी और अंतिम एडवांस टैक्स किस्त जमा करनी होगी। समय पर भुगतान न करने पर ब्याज और जुर्माना लग सकता है। अगर आप भी इस श्रेणी में आते हैं तो आपको भी यह काम समय रहते पूरा कर लेना चाहिए, ताकि किसी भी परेशानी से बचा जा सके। इसलिए अपनी किस्त समय से जमा करवा दें और परेशानी से मुक्ति पा लें।

ऑडिटेड आईटीआर की फाइलिंग

टैक्स ऑडिट के दायरे में आने वाले करदाताओं के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख 10 दिसंबर 2025 है। इसे समय पर जमा करना जरूरी है, ताकि रिटर्न लेट न माना जाए और कानूनी परेशानियों से बचा जा सके। इसलिए 31 दिसंबर की तारिख आप सभी के लिए काफी है। इससे पहले की अपने जरूरी काम पूरे कर लें और परिशानियों का बाय बाय कर दे। अगर समय रहते ये काम पूरे नहीं कर पाएंगे तो आपको कानूनी परेशानियों का भी सामना करना पड़ सकता है और आर्थिक रूप से जो नुकसान होगा वह अलग। समय रहते ये चार काम निपटा लेंगे तो जुर्माने से भी बच जाएंगे और आप खुद को तनाव मुक्त भी महसूस करेंगे।

अगले साल भी बरकरार रह सकती है गोल्ड की चमक

इस साल 67% से अधिक रिटर्न दे निवेशकों को किया मालामाल

निवेश का सबसे सुरक्षित विकल्प लेकिन रणनीति बनाना जरूरी

सोने की कीमतें रिकॉर्ड हाई के करीब हैं, ऐसे में सोच-समझकर करें निवेश

चालू वर्ष में असाधारण रूप से रिटर्न दिया

बिजनेस डेस्क

सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने की चमक बरकरार है और इस साल घरेलू बाजार में इसने अबतक लगभग 67% का रिटर्न दिया है। जानाकारों का मानना है कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये–डॉलर की दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो 2026 में सोने की कीमत प्रति दस ग्राम 5 से 16% 0 और चढ़ सकती हैं। उनका यह भी कहना है कि चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड हाई के करीब हैं, ऐसे में सोच-समझकर निवेश करना जरूरी है। दिल्ली सर्राफा संघ के आंकड़ों अनुसार, इस साल एक जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम थी जो बीते शुक्रवार पांच दिसंबर को 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। 'चालू वर्ष में सोने ने असाधारण रूप से मजबूत रिटर्न दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें इस साल अब तक लगभग 60 प्रतिशत (लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन) तक चढ़ चुकी हैं। इसका मुख्य कारण सुरक्षित निवेश की मांग, भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया के बड़े केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर घटाने की उम्मीद है।

काफी बेहतर प्रदर्शन

भारत में रिटर्न इससे भी ज्यादा है। घरेलू बाजार में सोने की कीमत इस साल अब तक करीब 67 प्रतिशत चढ़ चुकी है। इसका अन्य कारण डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना और मजबूत वैश्विक संकेत है।' 'कुल मिलाकर, 2025 में सोने ने अधिकांश निवेश उत्पादों (इक्विटी शेयर और बॉन्ड) की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है और साबित किया है कि अनिश्चितता और अस्थिर समय में यह सबसे भरोसेमंद साधन है। अगर इक्विटी शेयर पर रिटर्न देखा जाए तो निफ्टी 50 टीआरआई (कुल रिटर्न सूचकांक) और निफ्टी 500 टीआरआई ने तीन दिसंबर तक क्रमशः 6.7 प्रतिशत और 5.1 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

10 साल के सरकारी बॉन्ड का प्रतिफल दिसंबर 2025 की शुरुआत में लगभग 6.53 प्रतिशत रहा। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण 'वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता, डॉलर सूचकांक में कमजोर रुख, मुद्रास्फीति की चिंता और इसके खिलाफ सुरक्षा की आवश्यकता ने निवेशकों के लिए सोने में निवेश को आकर्षक विकल्प बनाया है।

ब्याज दरों में कटौती की संभावना ने निवेशकों को सोने की ओर आकर्षित किया

यह भी कारक

वैश्विक केंद्रीय बैंकों और संस्थागत निवेशकों द्वारा बड़े पैमाने पर खरीद के अलावा अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और अनुकूल मौद्रिक नीति की संभावनाएं भी सोने की बढ़ती कीमतों का एक महत्वपूर्ण कारक रही हैं। इसके साथ ही, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी ने भारत में सोने की कीमतों में और इजाफा किया है। 'वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, मुद्रास्फीति की लगातार चिंताएं और ब्याज दरों में कटौती की संभावना ने निवेशकों को सोने जैसी सुरक्षित निवेश वाली संपत्तियों की ओर आकर्षित किया है। इसके अलावा, दुनिया भर में केंद्रीय बैंकों की मजबूत खरीदारी और त्योहारों की मांग ने सोने की कीमतों में तेजी को और बढ़ावा दिया है।' अगले साल के परिदृश्य के बारे में कहा जा रहा है कि 'यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये–डॉलर दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो भारत में सोने की कीमत 1.45 लाख से 1.55 लाख रुपये को पार कर सकती हैं।

क्या कहते हैं जानकार

जानकारों का कहना है कि 'हमारा अनुमान है कि आने वाले वर्ष में सोने की कीमत पांच प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी, क्योंकि जिन कारणों ने इस साल कीमतों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है, उनके अगले वर्ष भी जारी रहने की संभावना है।' मौजूदा हालात सोने में निवेश के लिए अनुकूल हैं। खासकर उन लोगों के लिए जो अपने निवेश में विविधता और मुद्रास्फीति तथा वैश्विक अनिश्चितताओं से बचाव चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'हालांकि, सोने में निवेश को जोखिम के बचाव के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि एकमात्र निवेश विकल्प के रूप में। निवेश का लगभग पांच प्रतिशत से 10 प्रतिशत कीमती धातुओं (सोना और चांदी) में निवेश होना चाहिए। सोने और चांदी में निवेश जोखिम के आधार पर होना चाहिए। 'चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब हैं (वर्तमान में लगभग 4,200 डॉलर प्रति औंस), इसलिए अनुशासित और सोच-विचार कर निवेश महत्वपूर्ण है। आगे की वृद्धि भू-राजनीतिक जोखिमों और मुद्रास्फीति की चिंताओं पर निर्भर है। सुरक्षित निवेशकों के लिए पोर्टफोलियो में आठ से 12 प्रतिशत का हिस्सा सोने में होना उपयुक्त है।

ऐसे कर सकते हैं निवेश

वर्तमान समय में सबसे अच्छा तरीका यह है कि गोल्ड ईटीएफ में एसआईपी के माध्यम से निवेश करें या कीमतों में चार से पांच प्रतिशत की गिरावट पर अतिरिक्त हिस्सेदारी जोड़ें। अब तक हुई तेज बढ़ोतरी को देखते हुए एकमुश्त निवेश के बजाय एसआईपी (व्यवस्थित निवेश योजना)/ एसटीपी (व्यवस्थित हस्तांतरण योजना) के जरिए निवेश करना बेहतर होगा। 'वर्तमान परिवेश में, गोल्ड ईटीएफ निवेश का पसंदीदा तरीका है, क्योंकि ये खरीद-बिक्री के लिहाज से सुगम हैं। साथ ही भौतिक रूप से सोना रखने के उलट, इसके रख-रखाव या सुरक्षा को लेकर कोई चिंता नहीं है। पारंपरिक जरूरतों के लिए, खासकर भारत में, जहां शादी, त्योहारों और पारिवारिक अवसरों में सोने की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, भौतिक सोने में थोड़ा सा हिस्सा रखना पूरी तरह से उचित है। 'हालांकि, पूंजी सृजन के मकसद से सोने के आवंटन का अधिकांश हिस्सा ईटीएफ के माध्यम से बनाए रखना सबसे अच्छा है।

पहली-पहली लगी है नौकरी तो निवेश को दें पहली प्राथमिकता

■ कई जगह निवेश कर बनाएं भविष्य सुरक्षित, युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर काफी अच्छा फंड कर सकते हैं तैयार

अगर आपकी भी पहली नौकरी लगी है और सैलरी आ गई है तो ध्यान दें। पूरी सैलरी को महज मौज मस्ती के लिए खर्च न करें। इसमें से कुछ हिस्सा बचत करें यानी निवेश करें। इससे आपको भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी। अपनी सैलरी का कुछ हिस्सा कई जगह निवेश करें। युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर काफी अच्छा फंड तैयार कर सकते हैं। पैसों का निवेश करना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही जरूरी होता है। निवेश के लिए बेस्ट ऑप्शन की तलाश करें और पैसा बचाएं। इससे आपको कभी भी पैसों की तंगी नहीं होगी। रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ निवेश के ऑप्शन के बारे में जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगे। यह मजबूती आपके परिवार और बच्चों के लिए बेहद अहम होगी। जिन लोगों की पहली नौकरी लगी है, उन लोगों को यहां जरूर निवेश करना चाहिए।

निवेश के लिए सुरक्षित ऑप्शन

पैसों का निवेश करना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही जरूरी होता है। ऐसे में हर व्यक्ति को निवेश जरूर करना चाहिए। खासकर युवा लोगों को निवेश को जरूर प्राथमिकता देनी चाहिए और अपनी मंथली इनकम का कुछ हिस्सा बचाकर एक अच्छी स्कीम में जरूर निवेश करना चाहिए। अगर आप एक युवा हैं और आपकी पहली नौकरी लगी है और आप निवेश के लिए बेस्ट ऑप्शन चुने और रणनीति बनाकर निवेश करें। अपने लक्ष्य को पहचानें और आगे बढ़ते जाएं। युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर अपने भविष्य के लिए काफी अच्छा फंड बना सकते हैं।

म्यूचुअल फंड एसआईपी

अगर आप एक युवा हैं तो आपको अपने पोर्टफोलियो में म्यूचुअल फंड एसआईपी को जरूर शामिल करना चाहिए। यहां आप हर महीने केवल 500 रुपये एसआईपी शुरू कर सकते हैं और इसे लंबे समय तक जारी रख सकते हैं। लंबे समय में म्यूचुअल फंड एसआईपी में आपको काफी अच्छा रिटर्न मिल सकता है, जो आपके भविष्य को सुरक्षित बनाएगा।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ स्कीम भी काफी लोकप्रिय सरकारी स्कीम है, जहां निवेशक थोड़े थोड़े निवेश के साथ अच्छा फंड बना सकते हैं। पीपीएफ में आपको सालाना 15 सालों तक निवेश करना होगा। यहां आपको 7.1 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है। यह भी निवेश का बेहतर विकल्प है। यह युवाओं के बीच काफी लोप्रिय है। इसलिए पीपीएफ में निवेश का विकल्प भी युवा चुन सकते हैं।

एफडी और आरडी

सुरक्षित निवेश के लिए आपको अपनी कुछ सेविंग्स को बैंक एफडी में भी जरूर निवेश करना चाहिएद्ध इसके अलाना रिकरिंग डिपॉजिट यानी आरडी भी एक बेस्ट ऑप्शन है, जहां आप हर महीने थोड़ा थोड़ा निवेश कर सकते हैं, और एक फिक्स्ड ब्याज दर से रिटर्न पा सकते हैं। हालांकि इसमें रिटर्न बेहद कम मिलता है, लेकिन निवेश का सबसे सुरक्षित विकल्प है। अपने निवेश के पोर्टफोलियो में गोल्ड को भी थोड़ी जगह दें और यहां पर भी अपने पैसों को जरूर निवेश करें। गोल्ड में निवेश करने के लिए आप डिजिटल गोल्ड और गोल्ड ईटीएफ में निवेश कर सकते हैं।

बीमा की अनदेखी और वित्तीय समीक्षा न करना बना देगी आर्थिक रूप से कमजोर

क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल, बचत में देरी भी बढ़ाती है परेशानी

छोटे-छोटे खर्चों को नजरअंदाज न करें, वरना बढ़ सकता है आर्थिक संकट

रोजमर्रा की आदतें अक्सर अन-नोटिस तरीके से पैसा कर देती हैं कम

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी अपना आर्थिक संकट नहीं बढ़ाना चाहते हैं तो अपने छोटे छोटे खर्चों को नजरअंदाज न करें। वरना ये आपकी बड़ी परेशानी बढ़ा सकते हैं। मसलन बाजार में ऑफर और सस्ती चीजों को देखकर ललचाएं नहीं। जो आपके जरूरत की चीजें हैं सिर्फ उन्हें ही खरीदें और मस्ती से जीवन व्यतीत करें। कई बार देखने में आता है कि छोटी-छोटी रोजमर्रा की आदतें अक्सर अन-नोटिस तरीके से आपका पैसा कम कर देती हैं। रोजाना के खर्च, क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल, बचत में देरी, बीमा की अनदेखी और वित्तीय समीक्षा न करना आपके भविष्य को कमजोर कर सकते हैं। जागरूकता और सही कदम आपकी वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। अक्सर लोग सोचते हैं कि पैसों की समस्या बड़ी गलती, अचानक खर्च, नौकरी छूटना या गलत निवेश की वजह से होती है, लेकिन सच यह है कि छोटी-छोटी रोजमर्रा की आदतें आपके पैसे को धीरे-धीरे कम कर देती हैं। ये आदतें छोटी लगती हैं, कभी-कभी अनजाने में होती हैं और समय के साथ बचत को कमजोर कर देती हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ आदतें जो आपको नुकसान पहुंचा सकती हैं और उन्हें कैसे सुधारा जा सकता है। इनको सुधारकर आप अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार सकते हैं और अनावश्यक खर्चे से भी बच सकते हैं।

छोटे खर्चों को नजरअंदाज करना

छोटे-छोटे खर्च, जैसे हर दिन की कॉफी, नाश्ता या मोबाइल ऐप सब्सक्रिप्शन, अक्सर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं, लेकिन अगर इन्हें जोड़ा जाए तो यह महीने के अंत में एक बड़ी रकम बन जाती है। इसलिए अपने खर्चों को एक हफ्ते तक नोट करें और देखें कि आपका पैसा कहां जा रहा है। इसका मतलब यह नहीं कि आपको अपनी पसंदीदा चीजें छोड़नी हैं, बल्कि आप जागरूक होकर सोच-समझकर खर्च करें। इसके बाद जब आप माह के अंत में देखेंगे तो आपको बड़ी राहत मिलेगी।

बचत बाद में करना

कई लोग सोचते हैं कि महीने के आखिर में बचत करेंगे, जो बचेगा वही बचत होगा। अक्सर आखिरी में कुछ भी नहीं बचता। सही तरीका यह है कि पहले बचत करें और फिर खर्च करें। अपने अकाउंट से वेतन मिलने के तुरंत बाद ही बचत या इन्वेस्टमेंट अकाउंट में कुछ पैसा डाल दें। यदि आप अपनी इनकम का 10%-15% नियमित रूप से बचाते हैं, तो समय के साथ यह एक बड़ा फंड बन जाएगा। जितनी जल्दी आप शुरू करेंगे, उतना ही आसान आपका भविष्य होगा। इसलिए शुरुआत से ही बचत पर ध्यान दें।

बीमा व आपातकालीन योजना

कई लोग सोचते हैं कि जीवन बीमा या स्वास्थ्य बीमा लेना बाद में भी किया जा सकता है, लेकिन एक छोटा अस्पताल का बिल या अचानक हादसा आपकी सारी बचत मिटा सकता है। जीवन बीमा आपके परिवार की सुरक्षा करता है और स्वास्थ्य बीमा अस्पताल के खर्चों से बचाता है। यह छोटे-छोटे मंथली प्रीमियम आपके भविष्य की सुरक्षा में बहुत मदद करते हैं।

अपनी वित्तीय स्थिति की समीक्षा जरूर करें

पैसे की आदतों को केवल सही तरीके से खर्च और बचत करने की जरूरत नहीं होती, बल्कि इन्हें समय-समय पर देखना भी जरूरी है। हर महीने कुछ घंटे अपने बैंक स्टेटमेंट, बीमा और निवेश की समीक्षा में बिताएं। इससे आप फालतू खर्च पकड़ पाएंगे, अपने लक्ष्यों को सही दिशा में रख पाएंगे और अपने वित्तीय भविष्य पर भरोसा कर पाएंगे। आपके रोजमर्रा के फैसले आपके पैसे और भविष्य को प्रभावित करते हैं। कुछ छोटी-छोटी गलत आदतें धीरे-धीरे आपकी जेब खाली कर देती हैं, जबकि सही आदतें आपके भविष्य को मजबूत और सुरक्षित बनाती हैं। इससे आपको पैसे संबंधी परकशानी होगी और आपका निवेश भी बढ़ता जाएगा। इसलिए निवेश पर जरूर फोकस करें।

क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल

क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करना आसान होता है, इसलिए हम छोटे खर्च भी कार्ड से कर लेते हैं। इससे खर्च का एहसास कम होता है। सही तरीका यह है कि क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल केवल जरूरी और योजना बनाकर करें और हर महीने पूरा बिल चुका दें। इससे आप बिना कर्ज के शांति महसूस करेंगे और फालतू ब्याज नहीं चुकाएंगे। अगर क्रेडिट कार्ड के बिन का समय पर भुगतान नहीं कर पाएं तो भारी भरकम ब्याज आपके बजट को बिगाड़ सकता है। इसलिए क्रेडिट कार्ड के खर्च पर ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है।

यह रखें ध्यान

किसी पर परिस्थिति में दूसरे की चीजों देखकर रीस न करें। अपना बजट बनाकर चलेंगे तो हमेशा खुश और आर्थिक रूप से मजबूत रहेंगे। बाजार में जाएं तो ऑफर्स को देखकर चीजें न खरीदें अपनी जरूरत के हिसाब से खरीदे। इससे आप गैरजरूरी खर्चों से मुक्ति पा लेंगे और आपकी बचत भी बढ़िया होगी।

सिल्वर ईटीएफ ने कराई जबरदस्त कमाई, 11 माह में दिया 100% से ज्यादा रिटर्न

सिल्वर ईटीएफ एक म्यूचुअल फंड है जो चांदी की कीमत को ट्रैक करता है

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इस साल सिर्फ फिजिकल चांदी ही नहीं, बल्कि सिल्वर ईटीएफ ने भी निवेशकों की जबरदस्त कमाई करवाई है। सिल्वर ईटीएफ ने इस साल अब तक यानी करीब 11 महीने में ही 100% से ज्यादा रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशक सोच रहे हैं कि क्या उन्हें अपना मुनाफा बुक कर लेना चाहिए या निवेश जारी रखना चाहिए। सिल्वर ईटीएफ एक म्यूचुअल फंड है जो चांदी की कीमत को ट्रैक करता है और स्टॉक एक्सचेंजों पर शेयरों की तरह कारोबार करता है। इसमें फिजिकल चांदी खरीदने की जरूरत नहीं होती। निवेशक ट्रेडिंग अकाउंट के जरिए इसकी यूनिट खरीद और बेच सकते हैं। यह भौतिक चांदी की कीमतों को ट्रैक करता है, जिससे निवेशक बिना चांदी खरीदे, उसके दाम बढ़ने का फायदा उठा सकते हैं। यह 99.9% शुद्ध चांदी में निवेश करता है और डीमैट खाते के ज़रिए शेयरों की तरह खरीदा-बेचा जा सकता है, जो सुरक्षा और स्टोरेज की झंझट से बचाता है।

स्टॉक एक्सचेंजों पर शेयरों की तरह कारोबार भी करता है

इस समय चांदी आधारित 21 ईटीएफ और एफओएफ

इस समय चांदी आधारित 21 ईटीएफ और एफओएफ हैं, जिन्होंने इस अवधि में औसतन 98.51% का रिटर्न दिया है। इन 21 फंडों में से 10 ने साल 2025 में अब तक 100% से ज्यादा रिटर्न दिया है। यूटीआई सिल्वर ईटीएफ ने 2025 में अब तक सबसे ज्यादा 100.89% का रिटर्न दिया है। इसके बाद आईसीआईसीआई प्रू सिल्वर ईटीएफ का नंबर आता है, जिसने 100.72% का रिटर्न दिया है। एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ और एसबीआई सिल्वर ईटीएफ ने 2025 में अब तक क्रमशः 100.29% और 100.04% का रिटर्न दिया है। निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने इस अवधि में 99.98% का रिटर्न दिया है। एक्सिस सिल्वर एफओएफ और टाटा सिल्वर ईटीएफ एफओएफ ने इसी अवधि में क्रमशः 94.38% और 92.52% का रिटर्न दिया है।

क्यों आई तेजी

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के माहौल में चांदी में सुरक्षित निवेश के साथ-साथ मजबूत औद्योगिक मांग (इलेक्ट्रॉनिक्स, ईवी, सोलर पैनल आदि के लिए) भी है। इसके साथ ही, दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की ठोस खरीदारी और त्योहारी मांग ने कीमतों में और तेजी ला दी। एक्सपर्ट के अनुसार इस साल की शुरुआत में ईवी, सोलर पैनल, ग्रीन ट्रांजिशन और वैश्विक विद्युतीकरण को लेकर आशावाद ने लगातार औद्योगिक मांग की उम्मीदों को बढ़ाया। वैश्विक निवेशकों ने ब्याज दरों में कटौती, कम वास्तविक यील्ड और कमजोर डॉलर की उम्मीदों के बीच चांदी ईटीएफ में पैसा लगाया, जिससे यह तेजी और बढ़ गई।

क्या कहते हैं जानकार

बाजार के जानकारों का कहना है कि अगर चांदी में आपका निवेश आपकी तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो कुछ मुनाफा बुक करना ठीक रहेगा, लेकिन अगर आप 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेशित रहना चाहते हैं, तो यह अभी भी फायदेमंद है। अगर चांदी में आपका निवेश आपके पोर्टफोलियो में तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो कुछ मुनाफा बुक करना सही है। वहीं 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेशित रहना अभी भी फायदेमंद है।

यह कैसे काम करता है

सिल्वर ईटीएफ फंड कुल संपत्ति का कम से कम 95% हिस्सा 99.9% या उससे ज़्यादा शुद्ध चांदी या चांदी से जुड़े डेरिवेटिव्स में निवेश करता है। आप इसे स्टॉक की तरह ब्रोकरेज अकाउंट के ज़रिए खरीद और बेच सकते हैं, जिससे यह आसान और तरल हो जाता है। इसका नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) चांदी की कीमत के साथ ऊपर-नीचे होता है।

मुख्य लाभ

भौतिक चांदी खरीदने, रखने और उसकी सुरक्षा की चिंता नहीं होती। यह सोने और चांदी के माध्यम से आपके पोर्टफोलियो को संतुलित करने में मदद करता है। और कम पैसों (जैसे 500 रुपये) से भी एसआईपी के ज़रिए निवेश शुरू कर सकते हैं।

ऐसे करें निवेश

- ब्रोकर के साथ डीमैट और ट्रेडिंग खाता : किसी भी ब्रोकर के पास खाता खोलें जो ईटीएफ में निवेश की सुविधा देता हो।
- सही सिल्वर ईटीएफ चुनें: अपनी जरूरत के हिसाब से जैसे निप्पॉन, कोटक, आईसीआईसीआई आदि के सिल्वर ईटीएफ चुनें।
- खरीदें : स्टॉक की तरह अपने ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से सिल्वर ईटीएफ के यूनिट्स खरीदें।

खबर संक्षेप

लोक अदालत में 98 केसों का किया निपटान

कनीना। न्यायालय में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 1388 केस रखे गए। जिनमें दोनों पक्षों की सहमति से 98 का निपटारा किया गया और 3206907 रुपये की रिकवरी की गई। राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायालय के जेएमआईसी विशेष गर्ग ने बार सदस्यों की उपस्थिति में विवादों का निपटारा किया। बैंक रिकवरी के 103 के केसों में से छह का निपटान किया गया, जबकि 51 क्रिमिनल कंपाउंडेबल केस में से 48 का निपटारा किया गया।

नप के पूर्व प्रधान ने सौंपा केंद्रीय मंत्री को ज्ञापन

नारनौल। नगर परिषद के पूर्व प्रधान किशन चौधरी एडवोकेट ने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह को राव बंसी सिंह पार्क की दुर्दशा सम्बंधित ज्ञापन सौंपा। जिसमें गया कि राव बंसीसिंह पार्क शहर के घनी आबादी क्षेत्र में स्थित हैं। जिसमें हर वर्ग बच्चे, युवा, बुजुर्ग अपनी दैनिक चर्या में घूमने आते हैं। जिससे यहां पर ओपन जिम व झूलों की व्यवस्था के लिए सरकारी ग्रांट की बड़ी भारी जरूरत हैं। वहीं पार्क के संचालन के लिए एक या दो स्थाई कर्मचारियों की व्यवस्था की जाए।

न्यायालय भवन का जेई ने किया निरीक्षण

कनीना। में निर्माणाधीन उप मंडल स्तरीय न्यायालय भवन का कार्य करीब 20 फीसदी पूरा हो गया है। इस कार्य का लोक निर्माण विभाग के जेई अजनबी खोला व फरीदाबाद से आए क्वालिटी कंट्रोल जेई लखनलाल ने निरीक्षण कर निर्माणकर्ता ठेकेदार को जरूरी दिशानिर्देश दिए। उन्होंने बताया कि करीब सात करोड़ की लागत से तैयार किए जा रहे इस भवन का समय समय पर निरीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भवन का निर्माण कार्य सालभर में पूरा किए जाने की योजना है।

हमारी नजर में परिवार प्रथम व देश सर्वप्रथम

कनीना। पूर्व सैनिक अधिकार रक्षक महासंघ के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने शादी समारोह में उपस्थित होकर वर वधु को आशीर्वाद दिया। कनीना से सभी पदाधिकारियों ने मिलकर कहा कि उनकी नजर में परिवार प्रथम व देश सर्वप्रथम है। हेमंत शर्मा ने कहा कि उन्होंने भारतीय सेना में रहते हुए देश की सीमाओं की रक्षा ही है। फिलहाल भी उनकी रगों में वही जज्बा कायम है। शादी समारोह में एकत्रित हुए महासंघ के पदाधिकारियों ने पुरानी यादें ताजा कर अपने अनुभव साझा किए।

बकाया राशि पर 100% ब्याज माफ कराने की मांग

नारनौल। खाद्यान्न व्यापार एसोसिएशन ने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह को एक ज्ञापन सौंपकर उनसे नई मंडी में दुकानों के लिए खरीदे गए प्लाटों की बकाया राशि पर 100 प्रतिशत ब्याज माफ करवाने की मांग की है। प्रधान रामजीलाल मित्तल एवं व्यापारी नेता बद्रीप्रसाद गर्ग ने संयुक्त रूप से बताया कि नांगल चौधरी रोड पर जल महल के समीप बनी नई अनाज मंडी में यहां के व्यापारियों ने कुछ साल पहले दुकानों के प्लाट खरीदे थे।

कैलाश चंद जांगिड़ का फूल मालाओं से सम्मान

मंडी अटेली। गांव मित्रपुरा निवासी कैलाश चंद जांगिड़ को नारनौल मार्केट कमेटी का कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किए जाने पर अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा जिला महेन्द्रगढ़ ने उनका पगड़ी पहनकर फूल–मालाओं से स्वागत किया। नारनौल की नई सब्जी मंडी में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह एवं मौजूदा विधायक राव ओमप्रकाश ने कैलाश चंद जांगिड़ ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

---

7 उपविषयों में खंड स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे थे

जिला स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने मॉडल बनाकर दिखाई प्रतिभा, 21 विजेता सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से सैनी सीनियर सेकंडरी स्कूल में जिला स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें खंड स्तर पर विजेता रहे कुल 105 मॉडल्स में से 91 मॉडल्स को विद्यार्थियों ने प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में कुल 140 विद्यार्थियों व 80 अध्यापकों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने टिकाऊ कृषि, अपशिष्ट प्रबंधन और प्लास्टिक के विकल्प, हरित ऊर्जा, उभरती प्रौद्योगिकियां, स्वास्थ्य और स्वच्छता, जल संरक्षण व प्रबंधन एवं गणित में मनोरंजक मॉडलिंग विषय पर मॉडल बनाकर अपनी प्रतिभा दिखाई।

नारनौल। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सभी विद्यार्थी अलग अलग सात उपविषयों में खंड स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी विश्वेश्वर कौशिक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद से विषय विशेषज्ञ अनीता, स्कूल प्राचार्य हुकम चंद सैनी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस प्रदर्शनी का मुख्य विषय विकसित व आत्मनिर्भर भारत के लिए स्टेम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियंत्रण विकल्प, हरित ऊर्जा, उभरती प्रौद्योगिकियां, स्वास्थ्य और स्वच्छता, जल संरक्षण व प्रबंधन एवं गणित में मनोरंजक मॉडलिंग आदि सात अलग अलग उपविषयों पर विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के मॉडल बनाकर खंड स्तर पर स्थान लिया था। सभी उपविषयों में जिला पुरस्कार 1800 रुपये व तृतीय पुरस्कार 1500 रुपये दिए जाएंगे। कुल 21 विद्यार्थियों को पुरस्कार राशि के रूप में 37 हजार 800 रुपये दिए जाएंगे, जो कि उनके बैंक अकाउंट में ट्रांसफर किए जाएंगे।

मॉडल को और विकसित करने का करें प्रयास

प्रतिभागियों के मॉडल्स का निरिक्षण किया

एससीईआरटी हरियाणा गुरुग्राम से विषय विशेषज्ञ अनीता ने कार्यक्रम का अवलोकन किया व प्रतिभागियों के मॉडल्स का निरिक्षण कर उनका मार्गदर्शन किया। जिला शिक्षा अधिकारी विश्वेश्वर कौशिक ने विद्यार्थियों की ओर से बनाए गए मॉडल्स का अवलोकन किया व 21 विजेता विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। इसके अलावा बाकि सभी प्रतिभागियों व गाइड अध्यापकों को भी सर्टिफिकेट दिए गए। सैनी स्कूल व वेदांता स्कूल के विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जिला विज्ञान विशेषज्ञ रविंद्र अग्रवाल ने बताया कि सभी उपविषयों में प्रथम स्थान पर रहने वाले विद्यार्थी अपने मॉडल के साथ राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में भाग लेंगे।

मॉडल मेकिंग में जिला स्तर पर प्राप्त किया प्रथम स्थान

मॉडल मेकिंग में कक्षा छठी से 12वीं के वे विद्यार्थी, जिन्होंने जिला स्तर पर सात उपविषयों पर हुई विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। टिकाऊ कृषि उप विषय में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धनुन्दा से संजू ने प्रथम, पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल चौधरी से अनिता ने द्वितीय, पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय महेंद्रगढ़ से आभा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अपशिष्ट प्रबंधन व प्लास्टिक के विकल्प उप विषय में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नारनौल से पंकज यादव ने प्रथम, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोद से यशवी ने द्वितीय व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बूढ़वाल से रोहित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हरित ऊर्जा उप विषय में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मूसनोता से युवराज ने प्रथम, राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय महेंद्रगढ़ से अमन ने द्वितीय, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मुलोदी से सोनू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उभरती प्रौद्योगिकियां उप विषय में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढौंगड़ा अहीर से मनीष ने प्रथम, राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कनीना से धर्मेन्द्र ने द्वितीय, आरआर ग्रीन मैक्स खेड़ी तलवाना से निशा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

केंद्रीय विवि में चल रही वालीबॉल प्रतियोगिता में दिखाया दमखम

केंद्रीय विवि में वालीबॉल स्पर्धा की विजेता बनी कुरुक्षेत्र की टीम

- प्रतियोगिता भारतीय विश्वविद्यालय संघ के सहयोग से आयोजित की गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में नौ दिसंबर से चल रही उत्तरी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय वॉलीबॉल (पुरुष) प्रतियोगिता का समापन हो गया है। यह प्रतियोगिता भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के सहयोग से आयोजित की गई। प्रतियोगिता के समापन सत्र में महेंद्रगढ़-भिवानी लोकसभा क्षेत्र के सांसद धर्मबीर सिंह मुख्यातिथि के तौर पर शामिल हुए। अर्जुन पुरस्कार विजेता मेजर जनरल दीप सिंह अहलावत विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्यातिथि सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह का स्वागत किया। समापन समारोह में विजेता टीमों को पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर द्वितीय और पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ तृतीय स्थान पर रहा। विश्वविद्यालय की स्पोर्ट्स काउंसिल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत काउंसिल के सचिव डॉ. संदीप ढुल के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने बताया कि चार दिनों तक चले इस आयोजन में विभिन्न विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों की टीमों ने भाग लिया। शिक्षक पीठ के अधिष्ठाता प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने इस सफल आयोजन के लिए भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू), प्रतिभागी शिक्षण संस्थानों और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार और एआईयू के ऑब्जर्वर बीरेंद्र हुड्डा को धन्यवाद दिया। समापन में सांसद धर्मबीर सिंह ने चार दिवसीय टूर्नामेंट के आयोजकों और प्रतिभागी खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति की भी इस आयोजन के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि वॉलीबॉल जैसे टीम गेम न केवल शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देते हैं, बल्कि टीमवर्क, अनुशासन, नेतृत्व और रणनीतिक सोच जैसे मूल्यों को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन दर्शाता है कि हमारे युवा खेलों के प्रति समर्पित हैं और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं।

महेंद्रगढ़। विजेता टीम को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हार-जीत जीवन का हिस्सा

मेजर जनरल दीप सिंह अहलावत ने कहा कि हार-जीत जीवन का हिस्सा है, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि हम हार के बाद जीतने के लिए कितने प्रयास करते हैं और जीतने के बाद खुद को और बेहतर प्रदर्शन के लिए कैसे तैयार करते हैं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चार दिवसीय इस आयोजन में शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग व स्पोर्ट्स काउंसिल के प्रयास बेहद सराहनीय है। उन्होंने कहा कि अवश्य ही विश्वविद्यालय भविष्य में भी ऐसे बड़े आयोजन करता रहेगा। प्रो. भूकर ने कहा कि चार दिवस के इस आयोजन में 60 शिक्षण संस्थानों के खिलाड़ी व प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

खबर संक्षेप

श्री ओम साईंराम स्कूल में हुआ वार्षिकोत्सव

महेंद्रगढ़। श्री ओम साईंराम एकेडमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय की ब्रांच किड्स गार्डन प्ले स्कूल के बच्चों ने भी भाग लिया। समारोह का शुभारंभ विद्यालय संस्थापक शेरसिंह सैनी एवं सावित्री देवी सैनी के द्वारा विद्या की दायिनी मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित करके की तथा विद्यालय की छात्राओं द्वारा मां सरस्वती की शानदार वंदना प्रस्तुत की गई। सम्मान में बच्चों द्वारा स्वागत गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी गई तथा विद्यालय के बच्चों द्वारा विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम (एकल नृत्य, युगल नृत्य, समूह नृत्य, अभिनय गीत, एकांकी आदि पेश किए गए, बच्चों द्वारा प्रस्तुत हरियाणवी समूह नृत्य, राजस्थानी समूह नृत्य, सीता हरण, नारी शक्ति, हनुमान द्वारा सीता की खोज, एकलव्य की गुरु दक्षिणा तथा बचपन प्ले स्कूल के नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा पंजाबी, देशभक्ति, बॉलीवुड के गानों पर प्रस्तुत समूह नृत्य की प्रस्तुति शानदार रहीं।

आरआरसीएम स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी आज

कनीना। आरआरसीएम पब्लिक स्कूल में 14 दिसंबर को एक दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी और कला उत्सव आयोजित की जाएगी। यह आयोजन छात्रों को अपनी वैज्ञानिक और कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। कार्यक्रम में मुख्यातिथि हरियाणा एजुकेशन बोर्ड के चेयरमैन प्रोफेसर डॉ. पीके शर्मा, विशिष्ट अतिथि राजकीय कॉलेज की पूर्व प्रोफेसर डॉ. पूर्ण प्रभा रहेंगी। चेयरमैन रोशनलाल यादव ने बताया कि इन प्रतिष्ठित शिक्षाविद्वों की उपस्थिति छात्रों को उच्च शिक्षा और नवाचार के लिए प्रेरित करेगी। विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों द्वारा तैयार किए गए 100 से अधिक मॉडल प्रदर्शित किए जाएंगे, जिनमें स्थाई ऊर्जा स्रोत, रोबोटिक्स, पर्यावरण संरक्षण और दैनिक जीवन में विज्ञान के उपयोग जैसे विषय पर आधारित अभिनव परियोजना शामिल हैं।

हैप्पी स्कूल में तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला

महेंद्रगढ़। हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का प्रमुख विषय तनाव प्रबंधन रहा, जो वर्तमान सामाजिक एवं शैक्षणिक परिवेश में अत्यंत प्रासंगिक विषय है। कार्यशाला के दौरान विषय विशेषज्ञ एवं मुख्यवक्ता प्रीति देशवाल रहीं। उन्होंने अपने वक्तव्य के माध्यम से तनाव के कारण, उसके दुष्प्रभाव तथा तनाव से मुक्ति पाने के व्यावहारिक उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि तनाव प्रबंधन व्यक्ति के मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है तथा संतुलित जीवन जीने में सहायक होता है। कार्यक्रम का मंच संचालन म्यूरिश शर्मा द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। प्रधानाचार्य डॉ. जेएस कुंतल, संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल, उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल एवं मैनेजर चंचल अग्रवाल ने मुख्यवक्ता का विद्यालय आगमन पर स्वागत व अभिनंदन किया। प्रबंधन सदस्यों ने इस कार्यशाला को विद्यालय की एक सकारात्मक एवं दूरदर्शी पहल बताते हुए इसकी सराहना की।

राव सुल्तान स्कूल में प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। राव सुल्तान सिंह स्कूल निम्बहेड़ा में हिंदी और अंग्रेजी व्याकरण प्रतियोगिता करवाई गई। संस्था निदेशक एडवोकेट सतपाल यादव मुख्यातिथि व अध्यक्षता प्राचार्य राजकुमार शर्मा ने की। एडवोकेट सतपाल यादव ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिता से बच्चा सीखने के साथ-साथ उनकी झिझक भी दूर होती है। विद्यालय समय-समय पर ऐसी प्रतियोगिता करवाता रहता है। प्रतियोगिता की संयोजक मोनिका शर्मा रहीं। उन्होंने बताया कि इसमें कक्षा चौथी व पांचवी के बच्चों ने हिस्सा लिया। बच्चों को चार टीम में बराबर बांटा गया। एक टीम में आठ बच्चे शामिल हुए, जिसमें कक्षा के हिसाब से विवज तैयार किए गए। बच्चे बड़े ही तैयारी के साथ मैदान में कूदे।

बाजरा बोर्ड गठित करने की मांग

नारनौल। बहुजन समाज पार्टी के नेता एवं प्रमुख किसान मजदूर अधिकार कार्यकर्ता अतरलाल एडवोकेट ने केन्द्र व राज्य सरकार से बाजरा उत्पादक किसानों के कल्याण के लिए बाजरा बोर्ड गठित करने की मांग की है। अतरलाल ने बाघोत, उच्चत, छिथरोली गांवों में किसानों की समस्याएं सुनते हुए उक्त मांग उठाई। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार बाजरा उत्पादक किसानों की अनदेखी कर रही है। जिसका स्पष्ट प्रमाण है कि सरकार ने इस सत्र में बाजरा की सरकारी खरीद नहीं की। जिसके कारण भावांतर राशि जोड़कर भी किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य से 400 रुपये प्रति क्विंटल की दर से हर्जाना उठाना पड़ा है।

सीएल पब्लिक स्कूल में पीटीएम आयोजित

नारनौल। बैठक में भाग लेते अध्यापक व अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। हुडा स्थित सीएल पब्लिक स्कूल में शनिवार को पीटीएम का आयोजन किया गया। जिसमें अभिभावकों में बच्चों के यूनिट टेस्ट, फाउंडेशन टेस्ट और स्कूल स्तर पर होने वाले ओलंपियाड टेस्ट के परिणाम जानने के लेकर उत्सुकता दिखाई दी। बैठक का मुख्य उद्देश्य शिक्षक व माता पिता का एक साथ छात्र के प्रदर्शन पर चर्चा करना व उनके सीखने के अनुभव को और अच्छा करने के तरीके खोजना था। शिक्षकों ने अभिभावकों को परीक्षा के दौरान उनके बच्चों के प्रदर्शन के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर सुझाव पेटी भी रखी गई। जिसमें बच्चों के साथ आए माता पिताओं ने अपने सुझाव दिए। इस अवसर प्राचार्य रविन्द्र यादव ने बताया कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य माता पिता को बच्चों के प्रति जगरूक करना और उनके बच्चें की प्रत्येक क्रिया कलाप की जानकारी देना है, ताकि बच्चे व उनके माता पिता उनकी प्रगति में अध्यापकों का सहयोग कर सकें।

स्व. ओमप्रकाश चौटाला की पुण्यतिथि पर तेजा खेड़ा में होगी श्रद्धांजलि सभा: सुरेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी ओमप्रकाश चौटाला की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर 20 दिसंबर को तेजा खेड़ा फार्म हाउस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में इंडियन नेशनल लोक दल की जिला स्तरीय बैठक नई मंडी में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता करते हुए जिला प्रधान सुरेंद्र कौशिक ने बताया कि चौधरी ओमप्रकाश चौटाला का राजनीतिक और सामाजिक जीवन प्रदेश की जनता के लिए प्रेरणास्रोत रहा है। उनकी स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश भर से पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि व आमजन बड़ी संख्या में शामिल होंगे। जिले से सैकड़ों कार्यकर्ता श्रद्धांजलि अर्पित करने तेजा खेड़ा फार्म हाउस पहुंचेंगे।

जिला प्रभारी जसबीर सिंह ढिल्लो ने कहा कि यह श्रद्धांजलि सभा चौधरी ओमप्रकाश चौटाला के विचारों व सिद्धांतों को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का अवसर होगी। पुण्यतिथि पर इनेलो की ओर से सर्वधर्म प्रार्थना, श्रद्धांजलि सभा, प्रसाद वितरण किया जाएगा। लोक सेवा आयोग के पूर्व सतबीर सिंह बडेसरा ने कहा कि चौधरी ओमप्रकाश चौटाला हरियाणा की राजनीति के एक प्रभावशाली और अनुभवी नेता रहे।

नारनौल। बैठक को संबोधित करते सुरेंद्र चौधरी। फोटो : हरिभूमि

उपलब्धि जिद में 18 किलो वजन भी किया कम, अब देश की रक्षा में निभाएगा अहम रोल

देशभर में 42वीं रैंक की हासिल, गहली का आलोक बड़ेसरा बना फ्लाइंग ऑफिसर

जिले के युवाओं को प्रेरणा मिलेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिला के लिए अच्छी खबर है। गांव गहली के उत्तम सिंह बड़ेसरा का पौता आलोक बड़ेसरा वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर बना है। उसने देशभर में 42वीं रैंक हासिल की है। इस पद का सपना संजोए आलोक ने इस जिद के आगे नियमों को पूरा करने के लिए अपना वजन 94 किलोग्राम से 76 किलोग्राम करना पड़ा। आलोक की इस उपलब्धि पर जहां परिवार में खुशी का माहौल है, वहीं जिला के युवाओं को प्रेरणा मिलेगी। जानकारी के मुताबिक गांव गहली वासी आलोक बड़ेसरा का दादा उत्तम सिंह रेलवे मंत्रालय से सेवानिवृत है। पिता उदयवीर हरियाणा पुलिस में ईएएसआई पद पर कार्यरत है और इन दिनों रेवाड़ी में कार्यरत है। माता अंशुबाला गृहणी है। चाचा नरेंद्र मानेसर कंपनी में कार्यरत है। आलोक की बहन गरिमा अग्रोहा मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस कर रही है। आलोक ने आठवीं कक्षा तक पढ़ाई नारनौल के हुडा सेक्टर स्थित सीएल स्कूल में की। इसके बाद 10वीं रफलस इंटरनेशनल स्कूल बहरोड़ से की और 12वीं की पढ़ाई स्वामी केशवानंद शिक्षण संस्थान सीकर से की। इसके बाद दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू) से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक की पढ़ाई जून 2025 में पूरी की। इसके बाद करीब पांच माह एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम भी किया। लक्ष्य निर्धारित करें और उसी टारगेट पर बढ़े आगे आलोक बड़ेसरा ने मीडिया को बताया कि फरवरी माह में इस पद के लिए परीक्षा दी थी। इसके बाद अगस्त माह में इंटरव्यू क्लियर किया। फिर मेडिकल पूरा होने के बाद वायुसेना में फ्लाइंग ब्रांच में फ्लाइंग ऑफिसर पद पर चयन हुआ है।

नारनौल। फ्लाइंग ऑफिसर आलोक बड़ेसरा। फोटो : हरिभूमि

मिलेगी प्रेरणा

गांव गहली के आलोक बड़ेसरा की इस सफलता पर जाट महासभा के जिला प्रधान विजयपाल एडवोकेट, अजीत बड़ेसरा, कुलदीप मास्टर, देवव्रत, मालाराम थानेदार, अग्निपाल, सिकंदर गहली, हनुमान, बलवंत, रणसिंह, जगदेव जाखड़, विनोद पंडित, सरपंच प्रतिनिधि कुलदीप, समशेरसिंह, धर्मवीर सिंह, राजबीर बड़ेसरा, अमित, उमेद सिंह, संदीप, कैलाश शर्मा, कश्मीर एडवोकेट, भोलाराम व भारत सहित क्षेत्र के लोगों ने बधाई दी है और कहा है कि आलोक के इस चयन से क्षेत्र के युवाओं को प्रेरणा मिलेगी। इसी तरह युवा आगे बढ़ते रहे तो जिला आगे बढ़ेगा।

गैलेक्सी स्कूल में अध्यापक-अभिभावक बैठक संपन्न

महेंद्रगढ़। बवानियां गांव स्थित गैलेक्सी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अभिभावक अध्यापक बैठक आयोजित की गई, जिसमें अभिभावकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान अभिभावकों का स्कूल प्रशासन द्वारा स्वागत किया गया। इस दौरान नशा मुक्ति कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। प्रधानाचार्य करन सिंह ने बताया कि यह पीटीएम अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं की रिपोर्ट पर चर्चा के लिए हुई।

सूचना

मैं, हरिश चन्द पुत्र श्री प्रकाश चन्द व सरोज देवी पत्नी श्री हरिश चन्द निवासी मिसरी तहसील व जिला चरखी दादरी बयान करता हूं कि मेरा पुत्र विकास मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार लगाई गई राष्ट्रीय लोक अदालत

राष्ट्रीय लोक अदालत में 18214 केसों का किया निपटारा: सीजेएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते हुए।

हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण के आदेशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश डी.आर. चालिया के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम पवन कुमार ने बताया कि शनिवार को जिला मुख्यालय के अलावा तोशाम, सिवानी व लोहारू न्यायिक परिसर में भी इस वर्ष की चौथी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। सीजेएम पवन कुमार ने बताया कि लोक अदालत वैकल्पिक विवाद समाधान की एक प्रणाली है जो भारत में बदलते समय के साथ एक प्रणाली के रूप में स्थापित हुई है। लोक अदालतें न केवल लंबित विवाद या पार्टियों के बीच उत्पन्न होने वाले विवादों को सुलझाती हैं, बल्कि यह सामाजिक सद्भाव को भी सुनिश्चित करती है क्योंकि विवाद करने वाले पक्ष अपने मामलों को अपनी पूर्ण संतुष्टि के साथ सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाते हैं। इससे अदालतों के लंबित मामलों में कमी आती है, क्योंकि अपील और संशोधन के रूप में आगे की कार्यवाही को भी समाप्त कर पक्षों की सहमति से मामलों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाया जाता है और त्वरित और प्रभावी तरीके से न्याय दिलाने के लिए उन्हें उपलब्ध कराया जाता है। विवाद के निपटारे के अलावा, पक्षकारों को मामलों की उनके द्वारा भुगतान की गई अदालती फीस की वापसी का लाभ होता है।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पवनकुमार ने कहा कि लोक अदालत में अपराधिक मोटर वाहन दुर्घटना, पारिवारिक मामले, चालान, बैंक ऋण, दीवानी मामले, चेक बाउंस, राजस्व आदि से संबंधित मामले रखे गए। उन्होंने बताया इस आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में भिवानी की लोक अदालत में रखे गए कुल 40491 में से 18214 मामलों का निपटारा गया तथा 123962088 रुपये की कुल राशि का निपटान किया गया।

जो कि लोहारू में 179 में से 48, तोशाम में 109 में से 52, सिवानी में 190 में से 120 मामलों का मौके पर ही निपटारा किया

चरखी दादरी: लोक अदालत में मामले निपटाए

चरखी दादरी। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में शनिवार को न्यायिक परिसर में चौथी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में आम नागरिकों द्वारा आपसी सुलह और समझौते के आधार पर स्वयं अथवा अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से मामलों का निपटारा किया गया। लोक अदालत में जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेश कुमार, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी निधि सोलंकी, न्यायिक दंडाधिकारी रजत अरोड़ा, तथा न्यायिक दंडाधिकारी लक्ष्य गर्ग ने मामलों की सुनवाई की। राष्ट्रीय लोक अदालत में वाहन दुर्घटना अधिनियम, बैंक लोन, मोटर व्हीकल एक्सीडेंट, एनडीपीएस एक्ट, फौजदारी, दीवानी, चेक बाउंस, वैवाहिक मामलों की सुनवाई की गई।

मुआवजा जारी करे सरकार: बिजेन्द्र बेरला

बाढड़ा। केन्द्र व प्रदेश सरकार पीएम फसल बीमा योजना के नाम पर प्रतिवर्ष करोड़ों रुपयों को हजम कर रही है और नुकसान होने पर मुआवजा जारी करने में पूर्णतया कागजी वायदा कर रही है जो न्यायसंगत नहीं है। सरकार को अविलंब प्रभाव से प्रभावित किसानों का मुआवजा जारी करना चाहिए। यह बात श्योराण खाप पच्चीस अध्यक्ष बिजेंद्र बेरला ने कस्बे के बिजली कार्यालय परिसर में किसान सभा के पूर्व अध्यक्ष मास्टर रघबीर श्योराण की अध्यक्षता में संचालित 150 वें दिन के संचालित धरने को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश में पहली बार किसानों को इतने लंबे समय तक सडक़ों पर आंदोलन करना सरकार की मनमानी नीतियों का परिणाम है लेकिन अन्नदता अपने हितों के लिए किसी टकराव से पीछे नहीं हटेगा और सरकार को झुकना पड़ेगा। किसानों के हकों व बाढड़ा के आत्म स्वाभिमान की रक्षा के लिए संघर्ष को कभी कमजोर नहीं रहने दिया गया है। जो भविष्य में और मजबूत होगा। बड़ा दुर्भाग्य है कि किसान को खाद बीज से लेकर फसल बिक्री या मुआवजे के लिए भुखा रहकर धरना प्रदर्शन करना पड़ रहा है।

खबर संक्षेप

अनीता का हरिभूमि लकी ड्रा में निकला इनाम

भिवानी। अखबार की नियमित पाठक लोहारू क्षेत्र की अनीता का बंपर योजना के लकी ड्रा में इनाम निकला। इनाम पाकर अनीता बेहद खुश नजर आईं। उन्होंने बताया कि वह बड़ी लगन से हरिभूमि अखबार पढ़ती हैं।जब अखबार में चल रही बंपर योजना के बारे में पता लगा तो उन्होंने बंपर योजना का फॉर्म भर का जमा किया। अब योजना का ड्रॉ निकला, उसमें अपना नाम देखकर खुशी से झूम उठीं। अतर सिंह ने बताया कि ये हरिभूमि की नियमित ग्राहक हैं।

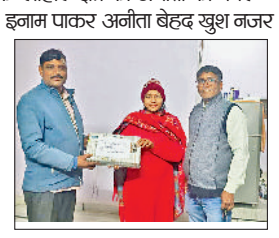

एचडी पब्लिक स्कूल बिरोहड़ में सीबीएसई लाइफ स्किल्स पर प्रशिक्षण सत्र

चरखी दादरी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत एचडी पब्लिक स्कूल बिरोहड़ में लाइफ स्किल्स विषय पर एक दिवसीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों में जीवन कौशल से संबंधित समझ विकसित करना तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से उन्हें अवगत कराना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण सत्र में सीबीएसई रिसोर्स पर्सन अमित दहिया एवं हरीश दहिया ने जीवन कौशल की अवधारणा, महत्व एवं कक्षा-कक्ष में इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि जीवन कौशल, जैसे- आत्म-जागरूकता, संप्रेषण कौशल, निर्णय क्षमता, समस्या समाधान, भावनात्मक संतुलन, टीमवर्क एवं नैतिक मूल्य-विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर, जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने गतिविधि-आधारित शिक्षण, केस स्टडी, समूह चर्चा, रोल-प्ले एवं अनुभवात्मक सीख जैसे नवाचारों पर विशेष बल दिया गया।

स्वास्थ्य विभाग कोर कमेटी ने सांसद धर्मबीर को सौंपा ज्ञापन

भिवानी। मांगों को लेकर मांगपत्र सौंपते हुए। फोटो: हरिभूमि

भिवानी। स्वास्थ्य विभाग कोर कमेटी की बैठक स्वास्थ्य ठेका कर्मचारी यूनियन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान दीपक तंवर व कोषाध्यक्ष कर्मबीर की अध्यक्षता में अपनी मांगों को लेकर सांसद धर्मबीर सिंह को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि अक्तूबर व नवंबर माह की सैलरी नहीं मिली है तथा न ही पोर्टल पर उनका नाम शो कर रहा है। जिसको लेकर अनेकों बार स्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन को अवगत करवाया जा चुका है लेकिन उनका कोई समाधान नहीं हो रहा। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग, जिला प्रशासन व सरकार से मांग करते हुए कहा कि शीघ्र से शीघ्र उनकी सैलरी खाते में डाली जाए तथा जिन कर्मचारियों के पोर्टल पर नाम शो नहीं हो रहे उनके नाम पोर्टल पर दर्ज किए जाएं। सांसद धर्मबीर सिंह ने उनकी मांगों को ध्यान से सुना तथा मांग पत्र लेते हुए कहा कि वे शीघ्र से शीघ्र उनकी समस्याओं का समाधान करवाएंगे। सांसद ने जिन कर्मचारियों के नाम पोर्टल पर नहीं हैं उनकी सूची भी मांगी। इस अवसर पर धर्मवीर भाट्टी, अशोक गोयत, लोकेश प्रधान, भगत सिंह, विक्की, बिजेन्द्र, अंकुर, मोहन, सुमित, कर्मजीत, नवीन समेत कमेटी के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

पेंटिंग प्रतियोगिता में यश व स्नेहा ने बाजी मारी

चरखी दादरी। गांव कारी दास स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला मे पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी जलकरण ने शिरकत की। मिडिल हेड नसीब सिंह सांगवान की अगवाई में बच्चों ने कागज व रंगों की सहायता से अपनी प्रतिभा दिखाई। कड़े मुकाबले में कक्षा पांचवीं के छात्र यश व स्नेहा प्रथम तथा कक्षा चौथी की छात्रा रुचिका व तमन्ना ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मास्टर सुंदरपाल फौगाट ने कहा कि कला, नन्हे-मुन्नों के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह न केवल बच्चों को खुद को अभिव्यक्त करने और उनकी रचनात्मकता को निखारने का एक जरिया प्रदान करती है, बल्कि शिक्षकों को यह भी बताती है कि एक बच्चा दुनिया को कैसे देखता है और उसके लिए क्या महत्वपूर्ण है।आयोजन में सरपंच प्रतिनिधि बलजीत फोगाट विज्ञान अध्यापक रविंद्र कुमार कुलदीप आदि रहे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर समाज कल्याण ट्रस्ट की बैठक

बाढड़ा। कस्बे के रविदास मंदिर में रविवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर समाज कल्याण ट्रस्ट बाढड़ा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट के प्रधान महावीर कारी मोद ने की। बैठक में समाज के प्रबुद्ध लोगों ने भाग लेकर सामाजिक सुधार से जुड़े अहम विषयों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान समाज में फैली विभिन्न कुरीतियों, विशेषकर मृत्यु भोज जैसी कुप्रथाओं को समाप्त करने को लेकर गंभीर विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि ऐसी परंपराएं समाज पर आर्थिक व मानसिक बोझ डालती हैं, इसलिए इन्हें छोडक़र समाज को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाना जरूरी है। इसके साथ ही समाज में फैल रही बीमारियों की रोकथाम और जागरूकता को लेकर भी चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि इन विषयों पर आगे विस्तृत रणनीति बनाने और समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से आगामी 28 दिसंबर रविवार को एक और बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में सामाजिक एकता, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुधार की दिशा में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया गया, ताकि समाज को मजबूत, जागरूक और कुरीतियों से मुक्त बनाया जा सके। इस मौके पर फोरमैन सुरेश धारणी, महावीर मोद, फौरमैन राजेश कुमार, महेंद्र सिंह, रमेश गोपी, जय नारायण, होशियार सिंह, जगदीश, सूबेदार बलवान सिंह, आशीष, चोखराज,सोनू जगरामबास, बीर सिंह, मनफूल आर्य, ईश्वर, रमेश नंबरदार, नरेश,प्रविन, सुमेर, धर्मवीर, धर्मवीर शास्त्री, रामफल आदि मौजूद रहे।

काली मन्दिर सेवा ट्रस्ट ने बच्चों को वितरित की स्टेशनरी

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा श्री माँ काली मन्दिर सेवा ट्रस्ट द्वारा राजकीय मॉडल संस्कृत प्राथमिक पाठशाला में जरूरतमंद बच्चों के लिए निःशुल्क स्टेशनरी वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष भूलेश्वर जैन, सचिव ललित जैन, सीए रोहित जैन, गजानंद कौशिक योग शिक्षक तथा विद्यालय की मुख्य अध्यापिका श्रीमती शारदा देवी सहित पंकज शर्मा एवं कृष्ण लाल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को आवश्यक स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय में 88 बच्चों, जैमेटरी बॉक्स, पैंसिल सेट, कॉपी आदि वितरित किए गए। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष भूलेश्वर जैन ने बच्चों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन को सही दिशा देने का सर्वोत्तम माध्यम है और इससे समाज का समग्र विकास संभव है। श्री माँ काली मन्दिर सेवा ट्रस्ट, बवानी खेड़ा का यह प्रयास समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंद बच्चों में आत्मविश्वास एवं उत्साह जागृत करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

बीईओ ने स्कूलों का निरीक्षण कर बच्चों की प्रतिभा परखी

बाढड़ा। खंड शिक्षा अधिकारी बाढड़ा जलकरण ने निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत दूसरे चरण के सेंसेस ग्रुपिंग आकलन की तैयारियों की समीक्षा हेतु खंड के राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला बेरला व प्राथमिक पाठशाला बेरला, गोपी और लाडावास के प्राथमिक विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया तथा शिक्षकों को आवश्यक दिशानिर्देश दिया। खंड शिक्षा अधिकारी ने जलकरण ने दौरे के दौरान विशेष रूप से खंड के न्यूनतम दक्षता वाले विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों की शैक्षणिक स्थिति का प्रत्यक्ष अवलोकन किया तथा कक्षा दूसरी और तीसरी के बच्चों की बुनियादी दक्षताओं की जांच की। उन्होंने कक्षा दूसरी के विद्यार्थियों से वर्ण पहचान, शब्द पठन, वाक्य पठन तथा समझ के साथ पठन की क्षमता को परखा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विद्यालय योजना बनाकर 22 दिसंबर तक यह सुनिश्चित करें कि कक्षा दूसरी के सभी बच्चे 45 शब्द प्रति मिनट की गति से समझ के साथ पठन करने में सक्षम हों। इसके साथ ही उन्होंने 99 तक की गिनती की पहचान, सिंगल डिजिट का जोड़-घटाव तथा डबल डिजिट का जोड़-घटाव भी समयसीमा के भीतर पूर्ण करवाने के निर्देश दिए।

न्यूज डायरी

छात्राओं की कौशल दक्षता निखारने के लिए पाठ्यक्रम शुरू

भिवानी। आदर्श महिला महाविद्यालय की कौशल विकास सेल द्वारा शैक्षणिक सत्र में ऐड-ऑन पाठ्यक्रमों की विस्तृत श्रृंखला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जो छात्राओं के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल के कुशल मार्गदर्शन में संचालित किया गया। प्रत्येक ऐड-ऑन पाठ्यक्रम 30 घंटे की संरचित शिक्षण योजना पर आधारित रहा, जिसका उद्देश्य छात्राओं को नियमित पाठ्यक्रम के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान, कौशल दक्षता एवं रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण प्रदान करना रहा। पाठ्यक्रमों के समापन पर परीक्षा का आयोजन किया गया। छात्राओं को ऑनलाइन प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए,जो उनके शैक्षणिक एवं व्यावसायिक प्रोफाइल को सुदृढ़ बनाएंगा। इन ऐड-ऑन पाठ्यक्रमों के माध्यम से स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं को संगीत, शोध, प्रतियोगी परीक्षा, पत्रकारिता जैसे विविध क्षेत्रों में अतिरिक्त दक्षता प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम का आयोजन कौशल विकास सेल की समन्वयक डॉ. नूतन शर्मा एवं संयोजिका डॉ. ममता वाधवा के समग्र निर्देशन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय में ऐड-ऑन पाठ्यक्रमों के आयोजन का यह लगातार तीसरा सफल वर्ष है, जो आदर्श महिला महाविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास एवं छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के प्रति सतत प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

सदगुरु की शरण में आने से परमात्मा की प्राप्ति संभव

भिवानी। हांसी गेट स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में आयोजित विशेष सत्संग कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली से पधारे महान कर्मयोगी संत पूज्य लालजी ने की । इस अवसर पर भिवानी के साथ-साथ रोहतक, करनाल, कुरुक्षेत्र, चरखी दादरी, हांसी व हिसार के निरंकारी श्रद्धालु उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम में भिवानी शहर के गणमान्य श्रद्धालु उपस्थित हुए। भिवानी शहर के प्रतिष्ठित डॉक्टर सुशील धमीजा भी शामिल हुए। यह सत्संग कार्यक्रम भिवानी सेवादल यूनिट के पूर्व संचालक ब्रह्मलीन संत सतीश धमीजा के जीवन को समर्पित था। धमीजा अपने गृहस्थ की जिम्मेदारियों का निर्वाह करते हुए सद्गुरु की शरण में जाकर ब्रह्म ज्ञान को प्राप्त किया और साध संगत भिवानी के साथ जुड़कर सदगुरु की सेवा की। उन्होंने साध संगत भिवानी के विकास में अहम योगदान दिया। इस अवसर पर महात्मा लाल ने फरमाया कि मानव जीवन का परम लक्ष्य परमात्मा की प्राप्ति करके भक्ति करना है। हमारे धार्मिक ग्रंथो में भी यही बताया गया है परंतु इंसान ग्रन्थों की बातों को मानने में गुरेज करता है। परमात्मा की प्राप्ति सद्गुरु की शरण में आने से होती है। उन्होंने कहा कि अंधेरे में तो छाया भी साथ नहीं देती इसी प्रकार बुढ़ापे में काया भी साथ नहीं देती और अंत में माया भी साथ नहीं देती। उन्होंने समझाया कि सांस लेने और जीने में बड़ा अंतर है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में निरंकारी सत्गुरु माता सुदीक्षा महाराज ब्रह्म ज्ञान देकर हर एक इंसान को सुखी कर रहे हैं। उन्होंने समझाया कि हमें अपने जीवन का आत्म मंथन करना चाहिए जिस काम के लिए हमें मानव जीवन मिला है उस परमपिता परमात्मा को प्राप्त करके उसकी भक्ति करनी है।

बहल खंड के विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

भिवानी। शिक्षा ही वह माध्यम है, जो ग्रामीण परिवेश की प्रतिभाओं को विश्व पटल पर पहचान दिला सकता है। इसी उद्देश्य को चरितार्थ करते हुए गांव सेरला में सेवाभाव सोशल वेलफेयर समिति द्वारा आयोजित विशाल शिक्षा प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस महाकुंभ में बहल खंड के विभिन्न विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से करीब एक हजार परीक्षार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी बौद्धिक क्षमता का परिचय दिया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ समिति के प्रधान संदीप खरसु द्वारा किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में रेडक्रॉस सोसाइटी हरियाणा के मैनेजर संजय कामरा ने शिरकत की। विद्यार्थियों में जोश भरते हुए मुख्य अतिथि संजय कामरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा समाज की सबसे बड़ी पूंजी है। इस आयोजन को सफल बनाने में समिति के पदाधिकारियों और ग्राम के वरिष्ठ नागरिकों का अहम योगदान रहा। जिसमें शिक्षा प्रभारी विकाश पूनिया, सचिव मास्टर विनोद जांगड़ा, उपप्रधान बलबीर जांगड़ा, संस्थापक विनोद खरसु, खेल प्रभारी अंकित खरसु, कोषाध्यक्ष दलबीर पुनिया, वरिष्ठ सदस्य रामसिंह जांगड़ा, पर्यावरण प्रभारी प्रवीण वर्मा, पूर्व प्रधान रामचंद्र श्योराण के अतिरिक्त प्रवीण पुनिया, मास्टर सोमबीर सोनी, डा. डीपी बूरा, संजीत पुनिया, पवन श्योराण आदि मौजूद रहे।

भिवानी। प्रतियोगिता में सम्मानित करते हुए।

कांग्रेस ने भारत के संविधान की रचना में अग्रणी भूमिका निभाई : चांदवीर

भिवानी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने देशभर के युवाओं को संगठनात्मक प्रक्रियाओं से जोड़ने, उनकी राजनीतिक समझ को सुदृढ़ करने और उन्हें नेतृत्व के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर पर टैलेंट हंट कार्यक्रम की घोषणा की है। इस संदर्भ में नेशनल टैलेंट हंट प्रोग्राम के संयोजक चांदवीर हुड्डा ने शनिवार को भिवानी में एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया। प्रेसवार्ता में कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी, दिनेश कौशिक, ईश्वर शर्मा, एससी अध्यक्ष राजेश, बलबीर सरोहा, बलवंत घनघस, ईश्वर मान, तोला राम शर्मा, सुमित बराड़, डा. फूल सिंह, प्रवीण बुरा, वीरेंद्र बापड़ा, शिवकुमार धानक, मुकेश प्रजापत, रामकिशन चौहान, सुरेंद्र तंवर, विजय नरवाल, मुकेश आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे चांदवीर हुड्डा ने कहा कि यह टैलेंट हंट केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक ऐसा सशक्त मंच है, जहां देश के हर कोने से आए युवा अपने विचार, योग्यता और सामाजिक प्रतिबद्धता का परिचय दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम युवाओं को संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक गरिमा और कांग्रेस की मूल विचारधारा से जुड़ने का स्वर्णिम अवसर प्रदान करता है। हुड्डा ने कहा की कांग्रेस वह राजनीतिक शक्ति है जिसने भारत के संविधान की रचना में अग्रणी भूमिका निभाई, लोकतंत्र को मजबूत आधार दिया और समावेशी भारत का सपना देखा। आज जब देश कई नई चुनौतियों से गुजर रहा है, तब युवा पीढ़ी को आगे आकर गांधी, नेहरू, पटेल, अम्बेडकर और इंदिरा गांधी की विरासत को आधुनिक चुनौतियों के अनुरूप आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। इस अभियान के माध्यम से कांग्रेस प्रतिभावान, ऊर्जावान, जुझारू और बौद्धिक रूप से सक्षम युवाओं को संगठन में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में शामिल करना चाहती है। चयनित युवाओं को पार्टी में प्रवक्ता,मीडिया पैनलिस्ट,रिसर्च कोऑर्डिनेटर,प्रचार कोऑर्डिनेटर इत्यादि के पदों पर जिम्मेदारी दी जाएगी।

अब आधे वजन वाला पारदर्शी फाइबर का गैस सिलेंडर मिलेगा

बाढड़ा। भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड ने बुजर्ग ग्रहणियों को बड़ी सहूलियत देते हुए अब मौजूदा समय के रसोई में प्रयोग होने वाले भारी भरकम गैस सिलिंडर उठाने की समस्या का समाधान होने जा रहा है क्योंकि की भारत गैस ने उपभोक्ताओं को आधे वजन वाला पारदर्शी फाइबर का कंपोजिट सिलिंडर उपल4ध कराना शुरू कर दिया है। अब जहां पहले भरा हुआ लोहे का सिलिंडर लगभग 30 किलोग्राम का होता था वहीं अब 14 किलो की जगह 10 किलोग्राम गैस वाला लगभग 15 किलो वजन का यह नया सिलिंडर बाजार में उपलब्ध है।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय के वार्षिक खेल दिवस पर खिलाड़ियों ने दिखाया दम

भिवानी। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पालुवास के प्रांगण में वार्षिक खेल दिवस बड़े ही उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय मैदान में छात्रों की उपस्थिति और ऊर्जावान माहौल के साथ हुई। सभी वर्गों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए खेल भावना और टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया। खेल दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए फुटबॉल और वॉलीबॉल के रोमांचक मैच आयोजित किए गए, जिनमें प्रतिभागियों ने बेहतरीन कौशल दिखाया। इसके साथ ही विभिन्न दौड़ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें 100 मीटर, थ्री लैग रेस तथा रिले रेस ने विशेष आकर्षण खींचा। सभी प्रतियोगिताओं में छात्रों ने पूरी निष्ठा और जोश के साथ भाग लिया। प्राचार्य महोदय ने इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, एकता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने विजेताओं को बधाई दी तथा सभी प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना की। इस प्रकार वार्षिक खेल दिवस विद्यालय के लिए एक यादगार अवसर बन गया, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और विद्यालय परिवार ने मिलकर ऊर्जा, उत्साह और खेल भावना का परिचय दिया।

भिवानी की बेटी ने गुजरात में लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज, ▶▶| भिवानी

मिनी क्यूबा और खेल नगरी के नाम से विश्व विख्यात भिवानी की मिट्टी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि यहां प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जिला के गांव अजीतपुर की होनहार बेटी दीक्षा ने गुजरात में आयोजित सीनियर नेशनल कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर ना केवल अपने गांव, बल्कि पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। बता दे कि गुजरात में 11 से 14 दिसंबर तक सीनियर नेशनल कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस कड़े मुकाबले में देश भर के नामचीन पहलवानों ने हिस्सा लिया। अपने भार वर्ग में दीक्षा ने अद्भुत तकनीक और अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने सभी प्रतिद्वंद्वियों को पटखनी दी और स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। जैसे ही दीक्षा की जीत की खबर गांव अजीतपुर पहुंची, वहां खुशी की लहर दौड़ गई। यह जानकारी देते हुए दीक्षा के चाचा बिंद्र बोस ने बताया कि दीक्षा एक बेहद अनुशासित और मेहनती खिलाड़ी है। वह पहले भी वर्ष 2021 मे ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी में कांस्य पदक, 2022 में जूनियर नेशनल प्रतियोगिता में रजत पदक, 2023 में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक, 2021 में खेलो इंडिया में कांस्य पदक, 2023 में खेलो इंडिया में कांस्य पदक व सीनियर नेशनल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक, 2024 में नेशनल प्रतियागिता में रजत पदक तथा 2025 में ऑल इंडिया में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी है, 2025 में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी में गोल्ड, 2025 में रांची में हुए अंडर-23 वल्ड कप चैंपियनशिप में ब्रांज मैडल तथा अब सीनियर नेशनल में गोल्ड जीतना एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि उन्हे पूरा विश्वास है कि भविष्य में दीक्षा और भी बेहतरीन प्रदर्शन करेगी और देश के लिए ओलंपिक मेडल का सपना भी पूरा करेगी। उन्होंने बताया कि दीक्षा 72 भार वर्ग में पहली ऐसी खिलाड़ी है, जो भारतीय सेना में सीधे तौर पर हवलदार नियुक्त हुई है।

खेलकूद में दिखाया दमखम

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के बी.के. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में दो दिवसीय खेलों का भव्य आयोजन किया गया। खेल आयोजन के प्रथम दिवस पर कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक के बच्चों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खेलों के उदघाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप कपूर सिंह वाल्मीकि, विधायक, हलका बवानी खेड़ा ने शिरकत की। विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य सुभाष शर्मा, विजेन्द्र जांगड़ा, सचिव योगेश शर्मा, श्वेता शर्मा एवं विद्यालय प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा के द्वारा मुख्य अतिथियों को पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत सत्कार किया गया।

खेलों का आरंभ मुख्य अतिथियों के द्वारा ध्वजारोहण एवं विद्यार्थियों द्वारा मशाल जो की ज्ञान, प्रकाश, एकता एवं खेल भावना का प्रतीक है, को जलाकर किया गया। सर्वप्रथम विद्यार्थियों के द्वारा खेल शपथ ली गई कि हम खेल को खेल भावना से एवं पूर्ण ईमानदारी से खेलेंगे। मार्च पास्ट एवं परेड के साथ खेलों का शुभारंभ किया गया। खिलाड़ियों द्वारा 800 मीटर रिले रेस, हर्डल रेस, लॉन्ग जंप, स्केटिंग, तीरंदाजी, ताइकवांडो, टेबल टैनिस, छाता पी.टी., योगा डांस, रिंग पीटी, 100 मीटर रेस, 200 मीटर रेस, 400 मीटर रेस, डंबल पी.टी., लेज़ियम, रिले रेस, बॉल बैलेंस रेस में एक-दूसरे को पीछे छोड़ते हुए अपनी प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया। विद्यालय में पधारे विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने सभी प्रतिभागियों के श्रेष्ठ प्रदर्शन की सराहना की। विद्यालय प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों एवं शिक्षक वर्ग को इस खेल उत्सव की बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेलों का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है।

बवानीखेड़ा। मुख्यअतिथि को सम्मानित करते हुए।

इंग्लैंड से मंगलवार को आ सकता है मृतक विजय कुमार का शव

बाढड़ा। उपमंडल क्षेत्र के गांव जगरामबास निवासी विजय कुमार की इंग्लैंड में हुई हत्या के बाद उनका पार्थिव शरीर भारत लाने की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। संभावना जताई जा रही है कि शव मंगलवार तक गांव पहुंच जाएगा। मृतक विजय कुमार के पिता भूतपूर्व सैनिक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि शव को भारत वापस लाने से संबंधित सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। फ्लाइट कन्फर्म होते ही उसके 24 घंटे के भीतर शव गांव पहुंच जाएगा। इस पूरे मामले में विदेशों में सामाजिक कार्यों में सक्रिय एनआरआई संगीता दहिया द्वारा शुरू की गई मुहिम अहम साबित हुई है। उन्होंने बताया कि एडवोकेट सुखविंदर सिंह नारा व उनकी टीम द्वारा भी हर संभव कानूनी सहायता प्रदान की गई। परिवार की ओर से प्रशासन और संबंधित विभागों से आग्रह किया गया है कि पार्थिव शव को जल्द से जल्द भारत लाया जाने के साथ -साथ दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 14 दिसंबर 2025

आज के दौर में रुपए, पैसे, गोल्ड, प्रॉपर्टी से कहीं ज्यादा मूल्यवान हो चुका है हमारा डेटा। इसीलिए इसको लेकर आम आदमी ही नहीं दुनिया भर की सरकारें भी चिंतित हैं। दरअसल, डेटा लीक या डेटा चोरी होने से इसका मिसयूज तो हो ही सकता है, हमारी सोच हमारी जीवनशैली को भी प्रभावित किया जा सकता है। डेटा की इंपॉर्टेंस और उसके प्रोटेक्शन के बारे में सभी को पता होना चाहिए।

हम सभी के लिए आवश्यक डेटा प्रोटेक्शन

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

यह इस साल या किसी एक देश की समस्या नहीं है। पिछले एक दशक से दुनिया के लगभग सभी देशों में सरकार, कॉरपोरेट जगत और आम लोगों के बीच लगातार डेटा प्रोटेक्शन को लेकर बहस से लेकर विचार-विमर्श तक जारी है। पिछले पांच सालों में दुनिया के एक दर्जन से ज्यादा देशों ने आम लोगों के डेटा सुरक्षा के लिए बेहद कड़े कानून बनाए हैं। पिछले महीने 14 नवंबर से हमारे यहां भी डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 (डीपीडीपी) कानून के रूप में अधिसूचित हो चुका है, जो अगले 18 महीनों में पूरी तरह से अपने सभी प्रावधानों के साथ आम लोगों के डेटा की सुरक्षा करेगा।

हर तरफ आज डेटा की ही चर्चा सुनाई पड़ती रहती है। चाहे बड़ी-बड़ी कॉरपोरेट कंपनियां हों, चाहे अदालतें हों, चाहे बड़े-बड़े वित्तीय संस्थान हों, सरकारें हों, हर जगह डेटा का शोर है। आखिर ये डेटा क्या बला है, जिससे आज की जिंदगी का लगभग हर पहलू जुड़ा हुआ है। आइए, सबसे पहले समझते हैं कि आखिर यह डेटा है क्या?

क्या होता है डेटा: जब हम डेटा कहते हैं तो उसका मतलब आमतौर पर आम आदमी के डेटा से ही होता है, तो आम आदमी का डेटा आज उतना ही महत्वपूर्ण या कीमती है, जितना खनिज तेल, सोना, घातक हथियार जैसी दूसरी चीजें हैं। इसकी वजह सिर्फ तकनीकी नहीं है बल्कि दुनिया भर के लोगों का रोजमर्रा का आम व्यवहार, विभिन्न देशों में होने वाले चुनाव, अरबों-खरबों की होने वाली खरीदारी और हर तरह के कारोबार के मूल में आम आदमी का डेटा ही है। आम आदमी का डेटा वह बुनियादी मनोविज्ञान है, जिस पर कोई भी कंपनी, कोई भी सरकार या माफिया हर समय कब्जा जमाने की कोशिश में रहता है। इसे और भी विस्तार से इस तरह समझ सकते हैं कि डेटा आज इंसान का पूरा डिजिटल प्रोफाइल या बायोडाटा है।

इसलिए माना जाता है मूल्यवान: आज लगभग हर कंपनी चाहती है कि उसके पास ज्यादा से ज्यादा लोगों का डेटा हो, जिससे वह अपनी बिजनेस रणनीति गढ़ सके और भरपूर कमाई सुनिश्चित कर सके। दरअसल, डेटा से कॉरपोरेट जगत को पता चलता है- आपकी उम्र, आपकी कमाई, आपकी रुचियां, आपकी पसंद-नापसंद, आपके ऑनलाइन रहने का समय, आपकी खरीदारी की खास चीजें, आप किन चीजों से प्रभावित होते हैं और किन से आपका मूड खराब होता है? कहने का मतलब आपका डेटा आपकी पूरी तरीके से जीवन कुंडली बन चुकी है, जिसे कोई भी कॉरपोरेट कंपनी जानकर आपकी पसंदीदा चीजों का उत्पादन, व्यापार आदि कर सकती है। कहना गलत नहीं होगा कि इसी डेटा की बदौलत आज विभिन्न उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियां अपने ग्राहकों के बारे में उनके परिवार के लोगों से भी ज्यादा जानती हैं।

डेटा बताता है आपकी रुचियां: डेटा आज के कॉरपोरेट जगत का सबसे बड़ा कारोबार है। इसकी बदौलत कंपनियों को अरबों, खरबों का फायदा और न जानने से नुकसान होता है। दरअसल, आज कॉरपोरेट जगत की सबसे बड़ी रणनीति है, डिजिटल टारगेटिंग। आपने महसूस किया होगा कि सोशल मीडिया में (मसलन फेसबुक या यू-ट्यूब में) आप जिस तरह की पोस्ट को लाइक करते हो, उस पर ज्यादा देर तक रुकते हो, कुछ देर के बाद इंटरनेट आपको उसी तरह की पोस्ट दिखाने लगता है। दरअसल, ये उसी आर्टिफिशियल लर्निंग का नतीजा है, जो अकसर कंपनियां लोगों के डेटा के जरिए हासिल करती हैं। अगर आपने किसी एप से तनाव, मेडिटेशन आदि की जानकारी ली है, तो आप तो एक बार जानकारी ले करके बंद कर देंगे, लेकिन अगली बार जब आप अपना मोबाइल या लैपटॉप खोलेंगे तो वैसी ही जानकारियों का सैलाब उमड़ रहा होगा। अगर किसी फूड एप से आपने रात में 10-11 बजे किसी दिन फूड ऑर्डर कर दिया, तो अगले दिन से आपकी देखी जाने वाली हर जगह पर देर रात के एक से बढ़कर एक व्यंजनों के ललचाऊ ऑफर बार-बार आपकी आंखों के सामने से गुजरेंगे। दरअसल, वो आपको टारगेट कर रही हैं कि आपने एक दिन अगर देर रात फूड ऑर्डर किया है तो बार-बार करिए। इस तरह कई बार न चाहते हुए भी लोग इस डेटा चक्रव्यूह में फंसते जाते हैं।

सोच को भी करता है प्रभावित: आज की तारीख में जिस कॉरपोरेट कंपनी के साथ आम लोगों का जितना बड़ा डेटा बैंक होगा, उसे उतना ही ज्यादा व्यापार लाभ होगा, क्योंकि उसके कारोबार में सफल होने की उतनी ही ज्यादा संभावनाएं होंगी। सिर्फ खाने पीने की चीजें या रोजमर्रा की शॉपिंग के लिए ही कंपनियां आपको आपके डेटा से नहीं प्रभावित करतीं बल्कि आपके डेटा से आपकी सोच और आपके विचार तक प्रभावित होते हैं, बदले जा सकते हैं या उन्हें जानकर आपको प्रभावित करने की ठोस रणनीति गढ़ी जा सकती है। लब्बोलुआब यह कि लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक पार्टियां आम लोगों के डेटा के बदौलत उनके सोच और उनके विचारों तक को अपने पक्ष में मोड़ लेती हैं। मतलब यह कि आपके डेटा की बदौलत प्रत्यक्ष रूप से आपको प्रभावित किए बिना भी राजनीतिक पार्टियां आपसे अपने पक्ष में मतदान करवा सकती हैं। मतलब सिर्फ मोबाइल स्कैम नहीं है यह किसी के दिमाग को अपनी मुट्ठी में कैद करने जैसा है।

बढ़े हैं फाइनेंसियल स्कैम्स: यह डेटा ही है, जिसकी बदौलत पिछले एक दशक में वित्तीय अपराधों की बाढ़ आ गई है। पिछले एक दशक में भारत ही नहीं पूरी दुनिया में वित्तीय अपराधों में 500 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोत्तरी हुई है, क्योंकि इसी डेटा की बदौलत साइबर अपराधी, बैंकिंग फ्रॉड करते हैं, लोन धोखाधड़ी करते हैं, सिम स्वैप होता है। इसी डेटा से पिछले एक दशक में पूरी दुनिया में लाखों लड़कियों और महिलाओं को ब्लैकमेल किया गया है। इसलिए आज की तारीख में हम सभी के लिए डेटा प्रोटेक्शन बहुत ही जरूरी हो गया है। *

अपने डेटा को ऐसे रखें सुरक्षित

आपको वो तरीके भी जानने चाहिए, जिससे डेटा प्रोटेक्शन किया जा सकता है।

- हर जगह अपने पासवर्ड को ओपेन न रखें। अपना पासवर्ड कुछ बेहद व्यक्तिगत डेटा से निर्मित करें, क्योंकि देखा गया है कि ज्यादातर लोगों के पासवर्ड एक जैसे और अनुमानित होते हैं।
- आज की डिजिटल दुनिया में खुद को सुरक्षित रखने के लिए दो स्तरीय सुरक्षा जरूर करें। व्हाट्सएप, फेसबुक, गूगल, यूपीआई सबमें इसे ऑन करें, ताकि अगर आपका कोई पासवर्ड चुरा भी ले तो एकाउंट न खोल पाए।
- हर एप को अनावश्यक परमिशन न दें। जब भी आप किसी एप का इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं, तो वह आपसे कैमरा, आपकी लोकेशन, माइक्रोफोन, कॉन्टेक्ट आदि को साझा करने की शर्त रखता है। सोच-समझकर परमिशन दें।
- पब्लिक वाइफाई पर बैंकिंग या यूपीआई का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। इससे आपकी वित्तीय सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कॉफी शॉप, रेलवे स्टेशन, मॉल आदि की पब्लिक वाइफाई सबसे ज्यादा असुरक्षित होती है।
- हर दो-तीन महीने में एप्स की सफाई करना जरूरी है। अगर आपके मोबाइल में 30-40 अनुपयोगी एप्स हैं, तो याद रखिए वो बैकग्राउंड में चुपचाप पड़े अपने मालिकों को आपकी जरूरी सूचनाएं यानी डेटा भेज रहे होते हैं। इसलिए हर दो महीने में अपने मोबाइल से उन सारे एप्स को डिलीट करें, जिन्हें आप इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर ओवर शेयरिंग से बचें।
- मोबाइल स्क्रीन को हमेशा लॉक करके रखें और पिन कभी अपनी जन्मतिथि या बहुत ईजी न बनाएं। पिन और पास वर्ड हमेशा मजबूत रखें।
- बैंकिंग ओटीपी, केवाईसी लिंक किसी को न भेजें, चाहे वह कितना ही बड़ा अधिकारी ही क्यों न हों।

विशेष: विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस आज

हमारी पृथ्वी पर ऊर्जा के कुछ संसाधन सीमित मात्रा में हैं। ऐसे में आने वाली पीढ़ियों के लिए ऊर्जा की अधिक से अधिक बचत और संरक्षण बहुत जरूरी है। इस बारे में हम सभी के लिए जानना बहुत जरूरी है, तभी छोटे-छोटे प्रयासों से ऊर्जा संरक्षण में हम अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

सुरक्षित भविष्य के लिए जरूरी है ऊर्जा की बचत और संरक्षण

सजगता
शिखर चंद जैन

वर्ष 1991 में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के द्वारा ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाने की शुरुआत की गई थी। तब से दुनिया भर में हर साल 14 दिसंबर को ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। इसका मूल उद्देश्य है ऊर्जा की कमी, जरूरत और संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना।

ऊर्जा के प्रकार: ऊर्जा की बचत के तरीकों को जानने से पहले इसके प्रकारों के बारे में जानना जरूरी है। इसके विभिन्न स्रोतों को नवीकरणीय (रीन्यूएबल) और अनवीकरणीय (नॉन रीन्यूएबल) दो मुख्य श्रेणियों में बांटा जाता है।

नवीकरणीय: नवीकरणीय स्रोतों में सौर, पवन, जल (जलविद्युत), भूतापीय और बायोमास ऊर्जा शामिल होते हैं, जो प्राकृतिक रूप से रिसाइकिल हो जाते हैं।

अनवीकरणीय ऊर्जा स्रोत: अनवीकरणीय स्रोतों में कोयला, पेट्रोलियम (तेल), प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधन और परमाणु ऊर्जा शामिल हैं, जो सीमित मात्रा में हैं और एक बार उपयोग होने पर समाप्त हो जाते हैं।

क्यों जरूरी है ऊर्जा संरक्षण: ऊर्जा संरक्षण के कई आर्थिक लाभ तो हैं ही, इससे पर्यावरण की सुरक्षा भी होती है। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि ऊर्जा के संसाधन सीमित हैं, इसलिए इसे बचाना बेहद जरूरी है। यह ऊर्जा की लागत को कम करने, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में मदद करता है। इससे वायु प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद मिलती है। ऊर्जा संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों को भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखता है। ऊर्जा का कुशल उपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूत करता है। ऊर्जा संरक्षण से बिजली और ईंधन के बिलों में कमी आती है, जिससे उपभोक्ताओं को पैसे बचाने में मदद मिलती है। ऊर्जा की कम मांग से नए बिजली संयंत्रों की आवश्यकता कम होती है, जो कि प्राकृतिक संसाधनों और बुनियादी ढांचे पर पड़ने वाले दबाव को कम करता है।

छोटे कदमों का बड़ा प्रभाव: ऊर्जा संरक्षण के लिए बहुत बड़े प्रयासों के अलावा, छोटे कदम भी उठाए जा सकते हैं। अगर आप विशेषज्ञों द्वारा बताई गई कुछ बातों पर ध्यान दें तो आप ऊर्जा और आर्थिक खर्च में भी बचत कर सकते हैं।

ऑफ रखें उपकरण: जब आप उपकरणों का इस्तेमाल न कर रहे हों तो सभी बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद कर दें, क्योंकि स्टैंडबाय मोड में भी वे बिजली की खपत करते हैं। कोई कंप्यूटर बंद करने पर, स्लीप मोड पर रखने की तुलना में 10 गुना कम ऊर्जा की खपत कर सकता है। एक टीवी स्टैंडबाय मोड में एक वर्ष में 70 यूनिट तक बिजली खर्च कर सकता है। सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद करने से साल में 5000 रुपए से 6000 रुपए तक बचाए जा सकते हैं।

इससे बिजली होगी कम खर्च: ज्यादा पुराना फ्रिज आधुनिक फ्रिज की तुलना में चार गुना ज्यादा बिजली खर्च करता है। घर के उपकरण जैसे फ्रिज का दरवाजा बार-बार खोलने और बंद करने से बिजली की खपत बढ़ जाती है। फ्रिज के पीछे की कूलिंग कॉइल पर धूल जमने से इसकी क्षमता घट जाती है, जिससे मोटर को अधिक काम करना पड़ता है और बिजली खर्च होती है। अपने फ्रिज को ओवन या स्टोव के पास न रखें, क्योंकि इससे बिजली की खपत बढ़ जाती है। लैपटॉप या डेस्कटॉप में, मॉनिटर अकेले ही पूरे सिस्टम की आधी से अधिक ऊर्जा का उपभोग करता है।

वाशिंग मशीन में गर्म पानी का तापमान कम करने से बिजली बचाई जा सकती है। एसी का इस्तेमाल करते समय, खिड़कियों पर पर्दे लगाएं ताकि कमरे की ठंडक बाहर न निकले। एसी फिल्टर को हर पंद्रह दिन में एक बार साफ करने से कंप्रेसर पर लोड कम होता है, जिससे ऊर्जा की बचत होती है। एसी को सीधे धूप से बचाएं, ताकि बिजली की खपत कम हो सके। माइक्रोवेव ओवन पारंपरिक इलेक्ट्रिक या गैस स्टोव की तुलना में कम ऊर्जा की खपत करते हैं। नया इलेक्ट्रॉनिक्स रेगुलेटर पुराने किस्म के रेगुलेटर की तुलना में अधिक ऊर्जा बचाता है। इन उपायों से ऊर्जा संरक्षण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

निर्भीक-बेबाक आत्मकथा

वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत की आत्मकथा 'मैंने जो जिया' का तीसरा खंड 'काली रात का मुसाफिर' हाल में छपकर आया है। इसमें उन्होंने वर्ष 1987 से 1995 तक की अवधि के अपने जीवन का वर्णन किया है। कुल इक्कीस अध्यायों में बंटे उनकी इस अवधि की जीवनयात्रा में आए अनेक पहलू उजागर हुए हैं। इन अध्यायों के शीर्षक उन्होंने अपनी कविताओं से ही लिए हैं, जो उनके जीवन संघर्ष को प्रभावी ढंग से व्यक्त करते हैं। इससे गुजरते हुए यह साबित होता है कि वे अपने जीवन में एकसाथ कई मोर्चों पर संघर्ष करते रहे हैं। चाहे कार्यस्थल हो, पारिवारिक जीवन हो या साहित्य जगत, उन्होंने बिना किसी पक्षपात के पूरी बेबाकी से अपनी गाथा लिखी है। कहने की जरूरत नहीं कि यह ईमानदारी ही इस आत्मकथा को और भी महत्वपूर्ण बनाती है। बहुस्तरीय द्वंद्वों के बावजूद वे कैसे अपनी रचनाशीलता बचाए रखते हैं, यह नए रचनाकारों के लिए प्रेरक हो सकता है। औपन्यासिक शैली में लिखे जाने के कारण इसे पढ़ने में रोचकता और बढ़ जाती है क्योंकि इसमें वह स्वयं एक पात्र के रूप में नजर आते हैं। *

पुस्तक: काली रात का मुसाफिर (आत्मकथा), **लेखक:** उद्भ्रांत, **मूल्य:** 499 रुपए, **प्रकाशक:** अमन प्रकाशन, कानपुर

व्यंग्य / विनय मोघे

मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे।

शगुन@क्यूआर कोड

हाल ही में मुझे एक शादी समारोह में जाना था। कहीं भी सपरिवार पहुंचने में मुझे हमेशा देर ही हो जाती है। इसका कारण विश्वव्यापी है। श्रीमती जी को तैयार होने में देरी। पर उस दिन अनहोनी हो गई। मैं अपने मित्र के पुत्र की शादी में जरूरत से कहीं जल्दी पहुंच गया वह भी सपरिवार। उसके बाद शुरू हुआ गलतफहमियों का दौर। पहली गलतफहमी हमको हुई कि कहीं गूगल ने हमें गलत पते पर तो नहीं पहुंचा दिया है। उसके बाद वहां हमसे भी पहले पहुंचे कुछ लोगों को गलतफहमी हुई। किसी ने हमें टेंट वाला, डीजे वाला, केटरर्स, बैंड, बग्गी वाला और न जाने क्या-क्या समझ लिया। हम वहां जल्दी पहुंचने पर शर्मिंदा हो रहे थे। यह घटनास्थल भी शहर से बहुत दूर सूनसान इलाके में था, जहां आस-पास भी टाइम पास करने की कोई जगह नहीं थी। सो मैंने पत्नी से घर वापस चलने के लिए कहा पर वह तैयार नहीं हुईं, क्योंकि घर जाकर खाना बनाने का उनका मूड नहीं था। रास्ते में किसी होटल में खा लेंगे, मेरे ऐसा कहने पर वह तैयार हुईं। पर अब दूसरी समस्या थी कि साथ लाए शगुन के लिफाफे को किसे देकर जाएं ताकि हमारी उपस्थिति दर्ज हो जाए। पर उस जगह वहां ऐसा कोई नहीं था, जिसे हम लिफाफा सुपुर्द कर सकते। तो हमने लिफाफे के साथ ही घर के लिए प्रस्थान किया।

घर तक पहुंचने के एक घंटे के सफर में मैंने शादियों में क्यू आर स्कैनर के उपयोग पर बहुत गंभीरता से विचार किया। मैंने सोचा कि यदि आज उस जगह पर क्यू आर स्कैनर लगा होता तो हमें अपना लिफाफा वापिस ले जाने की नौबत नहीं आती। यदि क्यू आर कोड, निमंत्रण पत्र पर ही छपवा दें तो जो लोग शादी में नहीं आ सकते, वे भी अपनी आशीर्वाद राशि घर बैठे दे सकते हैं। शादी समारोह स्थल के मुख्य द्वार पर भी क्यू आर कोड लगाया जा सकता है। उन लोगों के लिए, जो बाहर से ही कल्टी मारना चाहते हैं। उसके बाद मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे। खाने की प्लेट पर भी क्यू आर कोड प्रिंट करवाया जा सकता है। जैसे ही खाने के लिए प्लेट उठाओ पहले पेमेंट करो बाद में खाना खाओ। यह तो हुई मेहमानों के लिए क्यू आर स्कैनर की बात। अब जरा वर-वधु पक्ष और अन्य पक्षों के लिए क्यू आर कोड की भी बात कर ली जाए।

दूल्हे की सालियां जूते छिपाने वाली रस्म का नेग अपने क्यू आर कोड पर लेने लगेंगी तो कैसा लगेगा! यदि एक साली हुई तब तो ठीक पर इसकी संभावना कम ही है। एक से ज्यादा सालियां होने पर क्यू आर कोड का उपयोग करना मुश्किल होगा। यदि शगुन की रकम कम ज्यादा हुई तो जूते के शगुन के लिए सालियों में ही संघर्ष होने की संभावना हो सकती है।

पंडितजी भी अपना क्यू आर कोड लेकर बैठेंगे और समय-समय पर अपनी दक्षिणा लेते रहेंगे। बैंड-बाजे और ढोलक वालों को अपना नेग लेने में थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्हें दो-तीन काम एक साथ करने होंगे। बजाना भी होगा, नेग देने वालों पर नजर रखकर अपना क्यू आर कोड रेंज में रखना होगा। बैंड-बाजे, ढोलक और लाइट वालों को वैसे भी इसकी आदत है। यह भी हो सकता है कि बारात की विदाई के मौके पर दूल्हे का बाप अपना क्यू आर कोड लेकर अड़ जाए कि जब तक फलां रकम का भुगतान मेरे क्यू आर कोड पर नहीं होगा, बारात यहां से नहीं जाएगी। आप तो बस देखते जाइए आगे होता है क्या-क्या! *

हर्बल इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिसिन द्वारा संभव है
कैंसर का इलाज बिना किमो-बिना रेडिएशन

इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा के साथ
कैंसर को दें मात
सबसे सुरक्षित व प्रभावी इलाज

देवी अहिल्या कैंसर अस्पताल इंदौर

NO CHEMO THERAPY
- स्पष्ट प्रभाव परिणाम
- कम खर्चिला
- उच्चतम सफलता दर
- कैंसर की अंतिम स्टेज पर भी प्रभावशाली उपाय

NO RADIO THERAPY
- दर्द रहित इलाज
- कोई दुष्प्रभाव नहीं
- सफल इलाज के रिकार्डस
- अच्छे अनुभवी डॉक्टर

www.dahrc.in

HELPLINE 9584040131
कैंसर की जंग में हम आपके साथ हैं ...

1, आनंद नगर, चितावद, नेमावर रोड, नवलखा, इंदौर
फोन-0731-4084422 | 9685029784

पर्यटन स्थल
वीना गौतम

प्राकृतिक सौंदर्य-आनंद का अरण्य
नंदन कानन वन

कई पुराणों, रचनाओं में वर्णित नंदन वन आज भी अपने नैसर्गिक सौंदर्य के साथ उपस्थित है। यहां पहुंचकर आनंद और प्रकृति के सान्निध्य की अनोखी अनुभूति होती है। नंदन वन के सौंदर्य और महत्ता को पुनः हासिल करना चाहते हैं, तो हमें नंदन वन को संरक्षण देना होगा। इस वन की विशेषताओं और महत्ता के बारे में जानिए।

नंदन वन-यह शब्द सुनते ही मन में एक दिव्य, हरा-भरा और संगीतपूर्ण वातावरण का चित्र उभरता है। वास्तव में यह केवल एक भौगोलिक स्थल भर नहीं बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रतीक है। जिस तरह अपने देश में स्थित दंडकारण्य को युगों पहले तप और त्याग की भूमि माना जाता रहा था और नैमिषारण्य को ज्ञान की स्थली माना जाता था। उसी तरह नंदन वन आनंद, सौंदर्य और प्राकृतिक सामंजस्य की भूमि के तौर पर जाना जाता है।

प्राचीन-पौराणिक उल्लेख

इस वन का उल्लेख वेद, महाभारत, रामायण, भागवत पुराण और विष्णु पुराण में स्वर्गलोक के बागीचे के रूप में मिलता है। लेकिन इसकी पृथ्वीलोक में भी अपनी भौतिक उपस्थिति थी, जहां पुण्य आत्माएं अपने कर्मों के मुताबिक विश्राम करती थीं। अगर हम पौराणिक दृष्टि से देखें तो महर्षि नारद और इंद्र के संवादों में बार-बार नंदन वन का उल्लेख मिलता है। कुल मिलाकर प्रतीकात्मक अर्थ में नंदन वन, मनुष्य के भीतर सौंदर्य, आनंद और आत्मिक शांति का प्रतीक माना जाता रहा है, जो हमें यह याद दिलाता है कि सच्चा आनंद और सौंदर्य बाहरी वस्तुओं से नहीं बल्कि भीतरी मन और प्राकृतिक संतुलन में ही संभव है।

अब हो गया नंदन कानन वन

यहां जिस नंदन वन की ऐतिहासिकता और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का उल्लेख कर रहे हैं, वह अब नंदन कानन वन के नाम से जाना जाता है, जो मौजूदा ओडिशा राज्य में एक आधुनिक अभ्यारण्य के रूप में मौजूद है। यह नंदन कानन वन, जैविक उद्यान या जियोलॉजिकल पार्क के रूप में भी जाना जाता है, यह प्राचीन और पौराणिक नंदन वन का आधुनिक रूप है। यह उद्यान भुवनेश्वर से करीब 15 किलोमीटर दूर जूनागढ़ वन क्षेत्र में स्थित है, जिसका नामकरण 29 दिसंबर 1960 को 'नंदन कानन' के रूप में हुआ था।

रहते हैं कई प्रजातियों के जंतु

आज की तारीख में नंदन कानन महज जैविक उद्यान भर नहीं है बल्कि भारत के प्रमुख चिड़ियाघरों में से एक है। 437 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैले इस जैविक उद्यान में 157 प्रजातियों के तकरीबन 3517 से अधिक जानवर रहते हैं। इनमें सफेद बाघ, शेर, हाथी, मगरमच्छ और विभिन्न प्रजातियों के पक्षी शामिल हैं। यह उद्यान केवल वन्यजीवों का संरक्षण नहीं करता बल्कि पर्यावरणीय शिक्षा और जैव विविधता के महत्व को भी बढ़ावा देता है। यहां की व्हाइट टाइगर सफारी, लायन सफारी और बटरफ्लाई पार्क पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र हैं।

पर्यावरणीय-सांस्कृतिक महत्ता

नंदन कानन जैविक उद्यान का आज की तारीख में पौराणिक से ज्यादा पर्यावरणीय महत्व है। यह स्थान न केवल वन्यजीवों का घर है बल्कि जैव विविधता, पर्यावरणीय शिक्षा और प्राकृतिक सौंदर्य का भी केंद्र है। यहां स्थित कंजिया झील और आस-पास के जंगल क्षेत्र वन्यजीवों के लिए प्राकृतिक आवास प्रदान करते हैं और देश के दूर-दूर से आए पर्यटकों को प्रकृति के समीप आने का एहसास कराते हैं। सांस्कृतिक दृष्टिकोण से नंदन वन भारतीय लोककला, संगीत और साहित्य की प्रेरणा का भी स्रोत है। यहां के प्राकृतिक सौंदर्य और शांति ने अनेक रचनाकारों को अपनी रचनाएं लिखने के लिए प्रेरित किया है। नंदन वन प्रकृति के संतुलन और सौंदर्य का संरक्षण करता है। यह हमें याद दिलाता है कि प्रकृति आनंद का स्रोत है। यह इसके उपभोग का जरिया नहीं है। जैव विविधता का संरक्षण, जलवायु संतुलन और वृक्षारोपण की भावना इसी नंदन वन की संस्कृति का हिस्सा है।

कई रचनाओं में है उल्लेख

चाहे वेदों, पुराणों में वर्णित नंदन वन हो या आज भारत के कई क्षेत्रों में स्थित अलग-अलग नंदन वन, सभी का उद्देश्य पृथ्वी के सौंदर्य और प्राकृतिक संपन्नता से है। इनका वर्णन कई रचनाकारों ने किया है। किसी कवि ने लिखा है- *वृक्ष वंदन हों, नदियां गान करें/ और मन में निर्मल आनंद बहे/ तो समझो हम नंदन वन में हैं।* कुछ इसी प्रकार प्रसिद्ध कवि जयदेव के 'गीत गोविंद' में नंदन वन का रूपक मिलता है। इसी तरह अनेक लोकगीतों में नंदन वन का आनंद जैसी पंक्तियां आती हैं। इसलिए यह केवल एक स्थान नहीं बल्कि मन और आत्मा को दिव्य अनुभव देता है। इसलिए आज यह हमारी जिम्मेदारी है कि नंदन वन के महत्व को समझें, उसके संरक्षण का प्रयास करें। *

देश में और भी हैं नंदन वन

जहां तक हम पुराणों में उल्लिखित नंदन वन की कल्पना करते हैं, तो वह अकेला नंदन कानन वन क्षेत्र ही नहीं है। बल्कि देश के कई अलग-अलग क्षेत्रों में मौजूद कुछ वनों को भी प्राचीन काल से नंदन वन ही कहा जाता रहा है। एक नंदन वन का रिश्ता छत्तीसगढ़ के नंदन वन जैव उद्यान से है, जो कि वहां की राजधानी रायपुर में स्थित है। छत्तीसगढ़ का यह नंदन वन 202 हेक्टेयर में फैला है और यहां भी बाघ, शेर, भालू, हाथी, मोर, मगरमच्छ जैसी जीव प्रजातियों का घर है। इस आधुनिक नंदन वन का उद्देश्य जैव विविधता को संरक्षण देना और पर्यावरण के साथ-साथ ग्रीन टूरिज्म को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही देश के एक और पहाड़ी क्षेत्र में ऐसा ही नंदन वन स्थित है। यह उत्तराखंड में स्थित है और यह भी हिमालयी क्षेत्र का प्राकृतिक उद्यान है। इसके परिक्षेत्र में आने वाले कई क्षेत्र जैसे कौसानी, रानीखेत, औली आदि में लोग इसे नंदन वन ही पुकारते हैं। यहां की सुंदरता, देवदारों की सुगंध और हिमालय का वैभव, इस वन क्षेत्र को एक दिव्यता प्रदान करता है।

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली ऊपर से नकारात्मकता, असुरक्षा, डर का माहौल। ऐसे में चिंता, तनाव या भ्रम की स्थिति होना स्वाभाविक है। इस स्थिति को कैसे हैंडल करें कि आप हैप्पी-कूल रह सकें? आपके लिए उपयोगी सलाह।

चिंता-तनाव को करें दूर रहें हमेशा टेंशन-फ्री

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

वर्तमान समय में हर किसी की जिंदगी में कशमकश, तनाव और चिड़चिड़ापन व्याप्त है। हिंसा, चोरी, ठगी, अन्याय या प्रतिशोध जैसी घटनाएं आम होती जा रही हैं। जिस तरह आज के दौर में नकारात्मकता, हिंसा और वैचारिक प्रदूषण नजर आ रहा है, ऐसा पहले नहीं था। ऐसे में व्याकुलता, झुंझलाहट या भ्रम की स्थिति उत्पन्न होना स्वाभाविक ही है। यह सच है कि दूसरों के विचारों, उनके क्रियाकलापों पर आपका नियंत्रण नहीं है, लेकिन कुछ छोटी-छोटी बातें अपना कर आप स्वयं को शांत, खुश और संयत रख सकते हैं।

किसी अजनबी की तारीफ करें: न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित एक अध्ययन की रिपोर्ट बताती है कि किसी अजनबी द्वारा की गई साधारण सी तारीफ भी न केवल किसी का दिन बना सकती है बल्कि उस व्यक्ति के आत्मविश्वास में भी इजाफा कर सकती है। आप ऐसा करेंगे तो न सिर्फ अजनबी को बल्कि आपको भी खुशी मिलेगी। आप लोगों के साथ ऐसा व्यवहार करेंगे तो वहां उपस्थित दूसरे लोग भी यकीनन आपके साथ सकारात्मक व्यवहार करेंगे। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी की एक्सपर्ट डॉक्टर डेबोरा ब्लम ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि अजनबियों के साथ दोस्ताना व्यवहार से आप बेहतर महसूस करते हैं।

कम गहरे रिश्तों को दें महत्व: हमें अपने सामाजिक और व्यक्तिगत संबंधों का दायरा कुछ बेहद खास, गिने-चुने लोगों तक ही संकुचित नहीं रखना चाहिए। नए दोस्तों को अपने जीवन में शामिल करना फायदेमंद होता है। ये नए रिश्ते न केवल हंसी-खुशी में योगदान करते हैं बल्कि कई तरह की मानसिक जरूरतों को भी पूरा करते हैं। कम गहरे रिश्ते में एक-दूसरे से बड़ी-बड़ी उम्मीदें, ईर्ष्या और कुंठा की संभावनाएं भी कम होती हैं। इससे मन कम आहत होता है।

विचारों का विश्लेषण करें: विचारों का हमारे तन-मन पर गहरा असर पड़ता है। जब बहुत सारे विचार उलझ गए हों और आप परेशान रहने लगे हों तो विचारों का एनालिसिस शुरू करें। हर दिन की समाप्ति पर अपने विचारों को तीन भागों में बांट लें। प्रेरक, सामान्य और नकारात्मक। नकारात्मक विचारों को दूसरे नजरिए से देखें-सोचें। इसे ऐसे सोचें, 'यह सब मेरे नियंत्रण में नहीं। लेकिन मैं सावधान रहूंगा और गलत चीजों से दूर रहूंगा।'

खुद को शक्तिशाली समझें: अकसर लोग आस-पास के कोलाहल, अव्यवस्था आदि से घबरा जाते हैं या भयभीत हो जाते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि हमें स्वयं को सक्षम, समझदार और शक्तिशाली समझना चाहिए। इससे व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं और दुनिया की वास्तविकताओं का हम सामना कर पाते हैं। इससे हम भ्रम, भय और संशय से मुक्त रहेंगे।

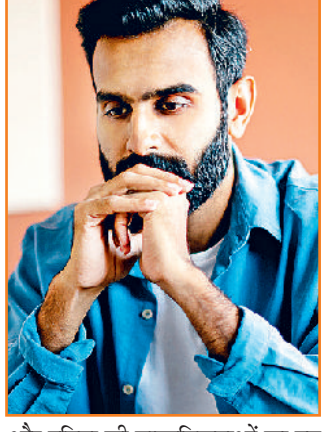

रोज कुछ अच्छा देखने का प्रयास करें: आपको अच्छी चीजें खोजने, उन्हें देखने और महसूस करने की आदत डालनी चाहिए। 'एंज्वॉइंग एवरीडे ब्यूटी' पुस्तक में इस संदर्भ में बहुत अच्छी बात कही गई है- यदि आप आस-पास की छोटी चीजों में सौंदर्य खोजने लगें तो यह आपके जीवन को सकारात्मकता और आनंद से भर सकता है।

सूचनाओं का एक्सपोजर कम करें: बहुत सारी सूचनाएं देखकर, पढ़-सुनकर भी हमारा मन नकारात्मक और अशांत हो जाता है। हमें अपने मतलब और काम भर की सूचनाओं पर ही फोकस करना चाहिए। यहां बताई गई इन बातों का ध्यान रखकर आप चिंता और तनाव से मुक्त रह सकते हैं। *

विंटर एसेसरीज
विवेक कुमार

ये ट्रेंडी-स्टाइलिश ग्लव्स देंगे हॉट फील-कूल लुक

सर्दी के मौसम में ठंड से बचने के लिए गर्म ड्रेसेस, एसेसरीज तो सभी कैरी करते हैं। लेकिन यंगस्टर्स उसमें भी ऐसी चीजों को प्रेफर करते हैं, जो उन्हें स्टाइलिश लुक भी दे। इसीलिए विंटर ग्लव्स अब सिर्फ यंगस्टर्स के हाथों को गर्म रखने वाली एसेसरीज नहीं हैं बल्कि ये विंटर सीजन के लिए उनके स्टाइल स्टेटमेंट बन चुके हैं। बाजार में उपलब्ध ग्लव्स के नए-नए डिजाइन, टेक फ्रेंडली फैब्रिक और स्पोर्टी अर्बन लुक भी इनकी बढ़ती पॉपुलैरिटी का कारण है।

फैशनेबल दिखाएं: इन दिनों बाजार में अनेक तरह के ग्लव्स मिल रहे हैं, जो विशेष तौर पर फैशन पसंद युवाओं के लिए सर्दी का खास पहनावा बन गए हैं। विंटर ग्लव्स की बढ़ती डिमांड के कारण आजकल बाजार में विंटर ग्लव्स की बहार आई हुई है। डबल लेयर्ड, वाटर रेसिस्टेंट और विंड प्रूफ मैटेरियल से बनने वाले विंटर ग्लव्स इन दिनों युवाओं के एसेसरीज नंबर-वन बने हुए हैं।

हाथों को देते हैं गर्माइश: सर्दी के मौसम में हथेलियों में ठंड लगने की वजह से कोई भी काम करने में असुविधा होती है। हाथों को सर्दी से बचाने के लिए नरम ऊन, फ्लीस या न्यूट्रिन से बने ग्लव्स न केवल हाथों की गर्मी को अंदर ही कैद रखते हैं बल्कि यह बाहरी ठंड को भी अंदर नहीं घुसने देते। कहने का मतलब, ये ग्लव्स सर्दियों में हाथों को भरपूर गर्माइश देते हैं।

शहरी युवाओं के बीच ये ग्लव्स फैशनेबल एसेसरीज के रूप में जाने जाते हैं।

टच स्क्रीन ग्लव्स: आज के दौर में मोबाइल या लैपटॉप हमारे कामकाजी जीवन के साथ-साथ डेली लाइफस्टाइल का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए बाजार में अब ऐसे ग्लव्स भी मिल रहे हैं, जिनको पहनकर आप अपने मोबाइल, टैब और लैपटॉप को आराम से ऑपरेट कर सकते हैं। ये टच स्क्रीन फ्रेंडली ग्लव्स, युवाओं में बेहद लोकप्रिय हैं। इन ग्लव्स में अंगूठे और तर्जनी पर विशेष किस्म के कंडक्टिव फाइबर की वजह से इन्हें पहनकर मोबाइल, स्मार्ट वाच या टैबलेट को आसानी से चलाया जा सकता है। कॉलेज गोइंग स्टुडेंट्स, कैब ड्राइवर, डिलिवरी ब्वॉय और आईटी सेक्टर में काम करने वाले युवाओं के लिए यह पहली पसंद है।

बाइक राइडर के लिए: सर्दियों में बाइक चलाते समय ठंडी हवा के तेज झोंके हाथों को सुन्न कर देते हैं, जिसके कारण हैंडल को नियंत्रित करने में मुश्किल आती है। इसलिए पाम गार्ड ग्लव्स, लेदर ऑल सीजन ग्लव्स और ग्रिप एनहैंस ग्लव्स की भी सर्दियों में जबर्दस्त मांग होती है। इस बार बाजार में रिफ्लेक्टिव स्ट्रिप्स, एंटी स्लीप टेक्सचर और थर्मल पैडिंग वाले ग्लव्स बाइक चलाने वाले युवाओ की जबरदस्त पसंद बने हुए हैं। *

राज कपूर का जिक्र किए बिना हिंदी सिनेमा की बात अधूरी ही रहेगी। केवल अभिनय में ही नहीं, फिल्म निर्माण और निर्देशन में भी उनका अंदाज सबसे निराला था। उनकी कई फिल्मों को क्लासिक का दर्जा हासिल है। राज कपूर की जयंती (14 दिसंबर) पर हिंदी फिल्मों में उनके योगदान पर एक नजर।

अनोखे फिल्मकार-लाजवाब अभिनेता थे हिंदी फिल्मों के पहले शोमैन राज कपूर

यादें / मनोज प्रकाश

हिंदी फिल्मों के ज्यादातर दर्शक थिएटर इस उद्देश्य से जाते हैं कि वे रुपहले पर्दे के सामने बैठकर कुछ देर के लिए बाहर की दुनिया को भूलकर सिनेमा के संपूर्ण मनोरंजन में डूब जाएं। दर्शकों की इस सोच और कसौटी पर पूरी तरह खरी उतरती हैं राजकपूर की फिल्में।

'शोमैन' से कहीं आगे

राजकपूर को हिंदी सिनेमा का पहला 'शोमैन' कहा जाता है, लेकिन उनकी शख्सियत इससे भी कहीं बढ़कर थी। उन्होंने जितनी भी फिल्में बनाईं, सभी में दर्शकों को हर प्रकार से भरपूर मनोरंजन मिला। उन्होंने संदेशपरक फिल्में भी बनाईं, उनकी ऐसी फिल्मों की कहानी और उसका प्रस्तुतिकरण भी लाजवाब हुआ करता था। संगीत, गीत, लोकेशन हो, चाहे फिल्म में काम कर रहे अभिनेता-अभिनेत्री हों या फिर विलेन ही क्यों न हों, सभी को देखकर लगता ही नहीं कि हम कोई सिनेमा देख रहे हैं। नायक-नायिका से लेकर फिल्म के सभी पात्र, यहां तक कि फिल्म की कहानी भी आस-पास के ही होने का अहसास कराते थे। यह प्रभाव, यही जादू था राजकपूर की फिल्मों का।

फिल्म मेकिंग की हर विधा में माहिर

राज कपूर फिल्म निर्माण के हर पक्ष में माहिर थे। बात अभिनय की हो, गीत-संगीत चुनने की, नायक-नायिका के ड्रेस सेलेक्शन की, लोकेशन डिसाइड करने की, कहानी समझने या निर्देशन कौशल की बात हो या फिर कैमरामैन के साथ बैठकर फिल्मांकन कराना, हर जगह उनकी एक स्पेशल छाप दिखती थी। उनकी यूनिट में शामिल क्लैप ब्वॉय से लेकर पर्दे के पीछे तक रहने वालों तक पर वह पैनी नजर रखते थे। आज भी एक्टर्स-डायरेक्टर्स उनके एक्टिंग और डायरेक्शन की बारीकियां देखते हैं, सीखते-समझते हैं, उनसे इंस्पायर होते हैं। आज भी जब-तब फिल्मों में राज कपूर का प्रभाव नजर आ जाता है।

फिल्म 'आवारा' में राज कपूर का अंदाज था निराला

'मेरा नाम जोकर' में राज कपूर ने किया शानदार अभिनय

दी कई यादगार फिल्में

1935 से लेकर 1988 तक राजकपूर ने 70 फिल्मों में अभिनय किया। 17 फिल्मों का निर्माण और 10 फिल्मों का निर्देशन किया। इन फिल्मों में से कुछ को छोड़कर राज कपूर की ज्यादातर फिल्मों की गिनती आज भी हिंदी सिने जगत की बेहतरीन फिल्मों में होती है। फिल्म 'मेरा नाम जोकर', शुरुआत में नकारी गई, लेकिन बाद में इस फिल्म ने तीन नेशनल अवार्ड जीतकर बता दिया कि जोकर ताश की गड्डी का सरताज होता है और किसी को भी मात दे सकता है। फिल्म का वह गीत 'अपने पे हंस के, जग को हंसाया, बन के तमाशा मेले में आया' आज जब हर कहीं दूसरे को रुलाने का दौर है, तब खुद पर हंसकर दूसरे को हंसाने वाले 'जोकर' की प्रासंगिकता समझ में आती है।

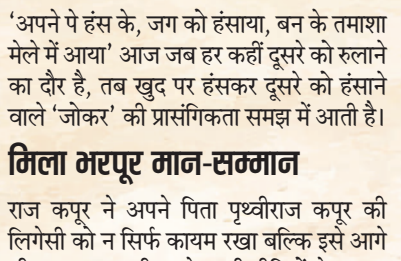

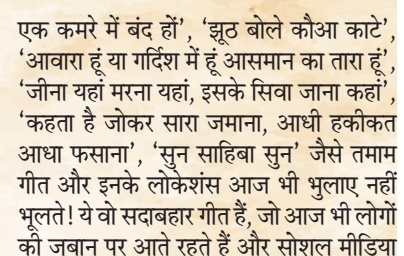

मिला भरपूर मान-सम्मान

राज कपूर ने अपने पिता पृथ्वीराज कपूर की लिगेसी को न सिर्फ कायम रखा बल्कि इसे आगे भी बढ़ाया। अपनी आने वाली पीढ़ियों के साथ-साथ पूरे हिंदी फिल्म जगत के लिए एक समृद्ध विरासत छोड़कर गए राज कपूर। एक तथ्य यह भी है कि कपूर फैमिली के तीन सदस्यों को दादा साहेब फाल्के अवार्ड से सम्मानित किया गया है। पृथ्वीराज कपूर, राज कपूर और शशि कपूर, दादा साहेब फाल्के से सम्मानित हो चुके हैं। राजकपूर को पद्मभूषण से भी सम्मानित किया गया था। इसके अलावा उन्हें तीन राष्ट्रीय पुरस्कार और ग्यारह फिल्मफेयर अवाड्र्स सहित कई अन्य पुरस्कार प्राप्त हुए। उनकी फिल्मों के गाने आज भी शादी-विवाह एवं अन्य अवसरों पर गाए-बजाए जाते हैं। 'मेरा जूता है जापानी...फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' तो एक समय में पूरे देश में सुना जाता था और लोग उसे खूब गाते-गुनगुनाते थे।

फिल्माए यादगार गीत-दृश्य

राज कपूर की फिल्मों के कई गीत और उनके दृश्य आज भी दर्शकों के मन पर अंकित हैं। घर में आटा गूंथती स्त्री के माथे पर आने वाली लटें, 'हम तुम एक कमरे में बंद हों', 'झूठ बोले कौआ काटे', 'आवारा हूं या गर्दिश में हूं आसमान का तारा हूं', 'जीना यहां मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां', 'कहता है जोकर सारा जमाना, आधी हकीकत आधा फसाना', 'सुन साहिबा सुन' जैसे तमाम गीत और इनके लोकेशंस आज भी भुलाए नहीं भूलते! ये वो सदाबहार गीत हैं, जो आज भी लोगों की जुबान पर आते रहते हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ट्रेंड भी करते रहते हैं।

अंदाज था निराला

राज कपूर के फिल्मांकन में निरालापन हर कहीं देखा जा सकता है। उनकी फिल्मों में हास्य की बात करें तो वहां फूहड़ता नहीं, एक किस्म की निश्छलता और भोलापन दिखता है। पर्दे पर उनकी निश्छल हंसी सभी का मन मोह लेती और हंसाती, गुदगुदाती थी। कई बार हंसाते-हंसाते रुलाती भी थी। इस मामले में राज कपूर की तुलना अकसर चार्ली चैपलिन से की जाती है।

तमाम आलोचनाओं के बावजूद इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि 'सत्यम शिवम सुंदरम', 'राम तेरी गंगा मैली', 'श्री चार सौ बीस', 'आवारा', 'जागते रहो', 'बरसात', 'आग' जैसी फिल्में और इनके कुछ दृश्य 'क्लासिक' हैं। सामाजिकता को अपनी फिल्मों का विषय बनाकर उसे मनोरंजन के साथ पेश करना और रोमांटिक सींस में भी पवित्र प्रेम को दिखाना सिर्फ राज कपूर के द्वारा ही संभव था। *